दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 326/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 12 जुलाई 2024 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सेंसेक्स 996 अंक चढ़ा, 80893 के रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा, निफ्टी में भी 200 अंकों से ज्यादा की तेजी

मुख्यमंत्री ने किया झील बाल उद्यान में नीर नवजीवन परियोजना का शुभारंभ

तालाब के पानी को स्वच्छ करने का नवाचार अनुकरणीयः यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि ईश्वर ने भोपाल पर विशेष कृपा की है, वर्षा ऋतु में भोपाल की सुंदरता और अधिक बढ़ जाती है। ताल तलैया झील और 1000 साल पहले निर्मित बड़े तालाब से अद्भुत छटा निर्मित होती है। शहर का आकर्षण ऐसा है कि जो एक बार भोपाल आता है वह यहीं का होकर रह जाता है। भोपाल का बड़ा तालाब बांध निर्माण का सर्वोत्तम उदाहरण है, इसके निर्माण की तकनीक वर्तमान में भी प्रेरणादाई है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पांच नंबर के निकट स्थित झील बाल उद्यान में नीर नवजीवन परियोजना के शुभारंभ अवसर पर यह बात कही।

नीर नवजीवन परियोजना के अंतर्गत प्राकृतिक रूप से तालाब के पानी को स्वच्छ करने का नवाचार अनुकरणीय है, इसके अंतर्गत फाउंटेन, पेड़ पौधों तथा उपयुक्त जीवों के माध्यम से जल स्वतः स्वच्छ होता रहेगा। यह तकनीक किफायती है पर वर्तमान परिस्थितियों में इसका प्रभाव और महत्व बहुत अधिक है। वर्तमान जीवन शैली के परिणाम स्वरुप जल के उपभोग से आई विकृति का उपचार करने का यह अद्भुत नवाचार है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इस पहल के लिए ईश्ना अग्रवाल को बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बरगद का पौधा भी रोपा। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालती राय सांसद आलोक शर्मा विधायक, भगवान दास सबनानी, पूर्व राज्यसभा सदस्य रघुनंदन शर्मा तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन व नगर निगम भोपाल के सहयोग से कक्षा 12वीं की छात्रा सुश्री ईश्ना अग्रवाल द्वारा यह परियोजना आरंभ की गई है।

इंदौर संभाग के विधायकों के साथ बैठक

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने आगामी 4 वर्षों में समग्र विकास के लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्य योजना के संबंध में इंदौर संभाग के विधायकों की समत्व भवन में बैठक ली।

सांध्यप्रकाश विशेष

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को एम्स में भर्ती कराया गया, हालत स्थिर

नई दिल्ली। गुरुवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया। पीठ में तेज दर्द के बाद उनकी तबीयत खराब हुई। लेकिन, अब उनकी उनकी हालत बिल्कुल स्थिर बताई जा रही है। हालांकि वे अभी भी एम्स में भर्ती हैं और आगे जांच की जा रही है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एम्स अस्पताल के न्यूरो सर्जरी विभाग में भर्ती हैं। बताया जा रहा है कि रक्षा मंत्री पिछ्ले कई दिनों से बैक पेन (पीठ दर्द) की समस्या से परेशान थे। इसके बाद उन्हें एम्स में भर्ती कराना पड़ा। रक्षा मंत्री का इलाज एम्स अस्पताल के सीनियर डॉक्टरों की देखरेख में किया जा रहा है। एम्स सूत्रों के अनुसार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तबीयत स्थिर है और डॉक्टर के द्वारा उनका चेकअप किया जा रहा है। राजनाथ सिंह का कल जन्मदिन भी था जन्मदिन के अगले दिन ही रक्षा मंत्री को एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें कब छुट्टी दी जाएगी अभी बताया नहीं गया है।

अनंत और राधिका की ग्रैंड शादी आज, जियो वर्ल्ड सेंटर में तीन दिवसीय समारोह, 3 बजे पहुंचेगी बारात

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी आज मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में होगी। बारात दोपहर 3 बजे जियो वर्ल्ड सेंटर पहुंचेगी। सबसे पहले साफा बांधने की रस्म होगी। इसके बाद मिलनी की रस्म होगी। वरमाला रात 8 बजे होगी और रात 9.30 बजे से लग्न, सात फेरे और सिंदूर दान की रस्में शुरू होंगी।

शादी में शामिल होने के लिए यूनाइटेड किंगडम के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन, इंटरनेशनल मॉडल किम कार्दशियन और सैमसंग के सीईओ हैन जोंग-ही मुंबई पहुंच गए हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा भी अपने पति निक जोनस के साथ मुंबई पहुंची हैं।

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के अलावा आमिर खान, सलमान खान, अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, कैटरीना कैफ, विकी कौशल, शाहिद कपूर, अलिया भट्ट और रनबीर कपूर भी अनंत और राधिका की शादी में पहुंच रहे हैं। इसके अलावा खेल जगत से डेविड बेकेहम और कैप्टन कूल महेंद्र सिंह धोनी भी इस शादी की शान बढ़ाने वाले हैं। यह शादी समारोह तीन दिनों तक चलेगी। शादी के सभी फंक्शन मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में आयोजित किए जाएंगे। शादी में देश-विदेश से कई वीआईपी मेहमान शामिल होंगे, जिनमें देश के हर राज्य के मुख्यमंत्री भी निमंत्रित किए गए हैं। तीन रिसेप्शन पार्टियों का आयोजन किया गया है। 13 जुलाई को शुभ आशीर्वाद वाले फंक्शन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश के शीर्ष राजनेता पहुंच सकते हैं। 14 जुलाई के रिसेप्शन में फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग और रिलायंस एवं जियो के बड़े अधिकारी शामिल होंगे। 15 जुलाई के रिसेप्शन में साधारण लोगों को आमंत्रित किया गया है, जिसे आम जनता के लिए आयोजित किया जा रहा है।

पूजा खेडकर के दावों की जांच के लिए केंद्र ने समिति बनाई, 2 सप्ताह में रिपोर्ट देगी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र कैडर की ट्रेनी आईएएस पूजा खेड़कर मामले की जांच के लिए केंद्र ने कमेटी बनाई है, जो 2 सप्ताह में अपनी रिपोर्ट देगी। केंद्र सरकार ने सिविल सेवा परीक्षा-2022 की उम्मीदवार पूजा खेडकर की उम्मीदवारी के दावों और अन्य विवरणों को सत्यापित करने के लिए भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव स्तर के एक वरिष्ठ अधिकारी की अध्यक्षता में एक सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह कमेटी 2 हफ्ते में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी उसके बाद पूजा खेड़कर के बारे में फैसला किया जाएगा। पूजा खेडकर पर आरोप है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग किया है।2023 बैच की ट्रेनी आईएएस अधिकारी पर एक नौकरशाह के रूप में अनुचितता और अपने पद के दुरुपयोग के गंभीर आरोप हैं। आरोप है कि वह अपनी निजी स्वामित्व वाली ऑडी सेडान पर लाल बत्ती, वीआईपी नंबर प्लेट और 'महाराष्ट्र सरकार' स्टिकर का उपयोग कर रही थी। इसके अलावा, एक ऐसी घटना भी हुई जहां उन्होंने स्थानीय जिला कलेक्टर के केबिन पर कब्ज़ा कर लिया। उन्होंने कलेक्टर से एक कार और एक सिपाही के साथ एक ऑफिस की भी मांग की थी।यह बात सामने आई है कि पूजा खेडकर ने फर्जी दिव्यांगता प्रमाणपत्र के आधार पर आईएएस का पद हासिल किया था। लेकिन, सिलेक्शन के बाद अपने प्रमाण पत्र को सत्यापित करने के लिए 6 बार एम्स से नोटिस आने के बाद भी नहीं गईं। उन्होंने निजी संस्थान से अपनी एमआरआई रिपोर्ट लेकर जमा करवा दी। पुणे जिला कलेक्टर ने पूजा खेडकर के व्यवहार को लेकर रिपोर्ट राज्य सरकार को भेज दी है।

सीए का रिजल्ट जारी, फाइनल में शिवम और इंटरमीडिएट में कुशाग्र ने टॉप किया

इंदौर। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंट्स ऑफ इंडिया ने सीए मई इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षा 2024 का परिणाम जारी कर दिया है। सीए फाइनल एग्जाम 2024 में दिल्ली के शिवम मिश्रा ने 500 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया टॉप किया है। दिल्ली की ही वर्षा अरोड़ा ने 480 अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया है। तीसरे स्थान पर मुंबई की किरण राजेंद्र सिंह और नवी- मुंबई के घिल्मन सलीम अंसारी रहे हैं। सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में भिवाड़ी के कुशाग्र रॉय ने 538 अंक प्राप्त कर टॉप किया है। दूसरे स्थान पर युग सचिन करिया और यज्ञ ललित चंदक रहे, जिन्हें एक समान 526 अंक प्राप्त हुए। तीसरे स्थान पर दिल्ली के मनित सिंह भाटिया और मुंबई के हिरेश काशीराम्का रहे, जिन्हें 519 अंक मिले। मई में हुई सीए फाइनल परीक्षा 2024 में ग्रुप 1 की परीक्षा 74887 उम्मीदवारों ने दी थी, जिसमें से 20479 उम्मीदवार ही परीक्षा पास कर पाए। ग्रुप 2 की परीक्षा 58891 उम्मीदवारों ने दी थी, जिसमें सिर्फ 21408 उम्मीदवार ही परीक्षा पास कर पाए। दोनों ग्रुप की परीक्षा 35819 उम्मीदवारों ने दी थी, जिसमें से 7122 उम्मीदवार ही पास हो पाए।

केजरीवाल को ईडी केस में जमानत, सीबीआई केस में जेल में ही रहेंगे

सुप्रीम कोर्ट बोला- सीएम बने रहना है या नहीं खुद तय करें

नई दिल्ली। शराब नीति घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अंतरिम जमानत दे दी है। जस्टिस संजीव खन्ना ने जमानत देते हुए कहा- केजरीवाल 90 दिन से जेल में हैं। इसलिए उन्हें रिहा किए जाने का निर्देश देते हैं। हम जानते हैं कि वह चुने हुए नेता हैं और ये उन्हें तय करना है कि वे मुख्यमंत्री बने रहना चाहते हैं या नहीं।

जस्टिस खन्ना ने कहा- हम ये मामला बड़ी बेंच को ट्रांसफर कर रहे हैं। गिरफ्तारी की पॉलिसी क्या है, इसका आधार क्या है। इसके लिए हमने ऐसे 3 सवाल भी तैयार किए हैं। बड़ी बेंच अगर चाहे तो केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर बदलाव कर सकती है।

केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। उसके बाद राऊज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें कस्टडी में भेज दिया था। गिरफ्तारी और कस्टडी को केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिस पर सुनवाई हुई। केजरीवाल को ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत मिली है। उनके खिलाफ दूसरा मामला सीबीआई का है। भ्रष्टाचार के केस में वे न्यायिक हिरासत में हैं। इसलिए जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे।

आप ने कहा - कोर्ट ने भाजपा सरकार को सबक सिखाया केजरीवाल को जमानत मिलने के फैसले के आते ही आम आदमी पार्टी ने कहा- उम्मीद है जल्द ही केजरीवाल को सीबीआई मामले में भी जमानत मिल जाएगी। सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत से यह साबित होता है कि आबकारी नीति केस उनके खिलाफ भाजपा की साजिश है। हर अदालत ने केजरीवाल के खिलाफ भाजपा की साजिश को उजागर किया है।

हाथरस भगदड़ की जांच वाली याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा- हाईकोर्ट जाएं

हाथरस भगदड़ की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया। 2 जुलाई को हुई भगदड़ में 121 लोगों की मौत हुई थी। सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह एक परेशान करने वाली घटना है, लेकिन वह इस मामले पर विचार नहीं कर सकती और हाईकोर्ट ऐसे मामलों से निपटने के लिए सशक्त न्यायालय है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह अपनी याचिका लेकर उच्च न्यायालय जाए।

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने आज भाजपा कार्यालय में मीडिया से चर्चा की। इस मौके पर प्रदेश भाजपा के संवाद प्रमुख आशीष अग्रवाल, प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में क्या क्रॉस वोटिंग बिगाड़ेगी गणित?

मुम्बई। महाराष्ट्र में विधान परिषद की 11 सीटों के लिए शुक्रवार को मतदान हो रहा है। 11 सीटों के लिए 12 उम्मीदवार मैदान में हैं। यह चुनाव काफी अहम है क्योंकि तीन महीने के अंदर राज्य में विधानसभा के चुनाव होने हैं। जून 2022 में हुए एमएलसी चुनाव के बाद ही राज्य में चल रही तत्कालीन महाविकास अघाड़ी सरकार गिर गई थी। इसकी शुरुआत चुनाव में क्रॉस वोटिंग के जरिए हुई थी। इन चुनावों की अहमियत इसी से समझी जा सकती है।

चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव की अधिसूचना 25 जून को जारी की गई थी। 2 जुलाई तक तमाम उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। 3 जुलाई को नामांकन की जांच हुई और नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 5 जुलाई रही। विधान परिषद चुनाव के लिए मतदान 12 जुलाई को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक है। मतों की गिनती 12 जुलाई को ही शाम पांच बजे होगी। चुनाव आयोग के अनुसार, चुनाव की प्रक्रिया 16 जुलाई से पहले पूरी कर ली जाएगी।

विधान परिषद चुनाव अभी क्यों हो रहा है? सदन के 11 मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल 27 जुलाई, 2024 को खत्म हो रहा है। ये सदस्य हैं डॉ. मनीषा श्यामसुन्दर कायंदे, विजय विठ्ठल गिरकर, अब्दुल्ला खान ए. लतीफ खान दुर्रानी, निलय मधुकर नाइक, अनिल परब, रमेश नारायण पाटिल, रामराव बालाजीराव पाटिल, डॉ. वजाहत मिर्जा अतहर मिर्जा, डॉ. प्रज्ञा राजीव सातव, महादेव जगन्नाथ जानकर और जयन्त प्रभाकर जानकर पाटिल हैं।

नेपाल में भूस्खलनः 2 बसें नदी में गिरीं, 50 से ज्यादा पैसेंजर लापता, ड्राइवर सहित 7 भारतीयों की मौत

काठमांडू। नेपाल में भारी बारिश के बीच शुक्रवार सुबह एक हाईवे पर लैंडस्लाइड के चलते 2 बसें त्रिशुली नदी में गिर गईं। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के मुताबिक, दोनों बसों में चालकों समेत 63 लोग सवार थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे में 7 भारतीयों और एक बस चालक की मौत हुई। 50 से ज्यादा लोग लापता हैं। नेपाली मीडिया हाउस काठमांडू पोस्ट के मुताबिक एक बस के ड्राइवर की मौत की पुष्टि हो गई है, जबकि 2 लोगों ने बस से कूद कर जान बचाई।

हादसा सेंट्रल नेपाल में मदन-अश्रित हाइवे पर सुबह करीब 3 बजकर 30 मिनट पर हुआ। लगातार बारिश और पानी के तेज बहाव के चलते सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है। चितवन के मुख्य जिला अधिकारी इंद्रदेव यादव ने फोन पर न्यूज एजेंसी को बताया कि लैंडस्लाइड के चलते नदी में गिरने वाली एक बस काठमांडू जा रही थी। इसमें 24 लोग सवार थे। दूसरी बस में 41 लोग सफर कर रहे थे।

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, नारायणगढ़-मुग्लिन रोड स्टेशन पर लैंडस्लाइड से बस बह जाने से लगभग पांच दर्जन यात्रियों के लापता होने की रिपोर्ट से मुझे काफी दुख हुआ है। मैं सरकार की सभी एजेंसियों को यात्रियों की खोज करने और उन्हें सही सलामत बचाने का निर्देश देता हूं।

यूपी के 800 गांव बाढ़ में डूबे, बद्रीनाथ में 4 हजार श्रद्धालु फंसेः तेज बारिश के कारण नेपाल-यूपी बॉर्डर के करीब 7 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महराजगंज के करीब 800 गांव में 20 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। यूपी की कई नदियां उफान पर हैं। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर शाहजहांपुर में करीब 2 से 3 फीट पानी भर गया है। इस कारण हाईवे का एक हिस्सा बंद कर दिया गया है। गाड़ियों को डाइवर्ट करके निकाला जा रहा है। शाहजहांपुर के मेडिकल कॉलेज में भी पानी भरने के बाद मरीजों को शिफ्ट कर दिया गया था।

उधर, उत्तराखंड में लगातार पांच दिन से हो रही बारिश और भूस्खलन के कारण 200 सड़कें बंद हैं। सबसे खराब हालात बद्रीनाथ रूट पर है, जहां 22 जगह लैंडस्लाइड से चार धाम यात्रा मार्ग 3 दिन से बंद है। 4 हजार श्रद्धालु सड़कों पर फंसे हैं।

उत्तराखंडः लैंडस्लाइड के कारण बद्रीनाथ रूट पर लंबा जामः बद्रीनाथ रूट पर लैंडस्लाइड के कारण दोनों तरफ लंबा जाम लगा है। सड़कों पर गाड़ियों की लंबी कतारें दूर से ही दिख जाएंगी। हालांकि, प्रशासन की टीमें तेजी से मलबा हटा रही हैं। बद्रीनाथ में एक दिन पहले उप चुनाव की वोटिंग हुई थी। यहां से लौट रही 36 पोलिंग पार्टियों को गुरुवार को मलबे के बीच से पैदल निकाला गया। बद्रीनाथ से आने-जाने वाले ज्यादातर श्रद्धालु जोशीमठ में फंसे हुए हैं। इसके चलते पूरा इलाका हाउसफुल है। यहां के होटलों ने भी किराया बढ़ा दिया है।

एमसीयू के कुलगुरु ने उप मुख्यमंत्री शुक्ल से की मुलाकात, रीवा परिसर के स्टूडियो का शीघ्र होगा लोकार्पण

भोपाल । माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) के.जी. सुरेश ने प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से मुलाकात की। इस मुलाकात में एमसीयू के रीवा परिसर के स्टूडियो के शीघ्र लोकार्पण का निर्णय लिया गया। प्रो. सुरेश ने उप मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय के अकादमिक उन्नयन, उपलब्धियों, प्रवेश प्रक्रियाओं और गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा परिसर में बालिका छात्रावास के निर्माण को शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अविनाश वाजपेयी भी उपस्थित रहे।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए कीटनाशक का निरंतर छिड़काव किया जाए : निगम आयुक्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और निगम अधिकारियों को समक्ष में एवं वी.सी.के माध्यम से निर्देशित किया कि बारिश में गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग कर पृथक्कीकरण का कार्य बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने, शहर के मुख्य मार्गों एवं प्रवेश स्थलों पर साफ-सफाई में विशेष ध्यान देने, बारिश में पानी के ठहराव स्थलों की सतत् रूप से निगरानी करने तथा रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने और नियमित रूप से मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त नारायन ने मौसमी बीमारियों एवं डेंगू की संभावना को देखते हुए पानी के ठहराव एवं भराव स्थलों पर पानी की निकासी करने और कीटनाशक रसायनों का छिड़काव करने तथा घरों में कूलर, टायर एवं अन्य पात्रों में पानी जमा न होने के लिए नागरिकों को निरंतर समझाइश देने के निर्देश दिए साथ ही स्पॉट फाईन की कार्यवाही भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जोन 10 के नोडल अधिकारी एवं अधीक्षण यंत्री श्री

उदित गर्ग भी मौजूद थे। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने गुरूवार को जीप में बैठकर बिट्टन मार्केट, सब्जी मण्डी, मेट्रो प्लाजा व्यवसायिक क्षेत्र, 10 नंबर मार्केट एवं अरेरा कालोनी, 12 नंबर चौराहा क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और निगम अधिकारियों को समक्ष में एवं वी.सी.के माध्यम से निर्देशित किया कि बारिश में गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग कर पृथक्कीकरण का कार्य बेहतर ढंग से सुनिश्चित करें। निगम आयुक्त ने बारिश में पानी के ठहराव स्थलों की सतत् रूप से निगरानी करने तथा रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने और नियमित रूप से मॉनीटरिंग करने तथा बेहतर साफ-सफाई के लिए प्रेजेंटेशन बनाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने शहर के मुख्य मार्गों एवं प्रवेश स्थलों पर साफ-सफाई में विशेष ध्यान देने तथा ओवर ब्रिज के नीचे गंदगी, कचरा किसी भी स्थिति में न होने पाए और साफ-सफाई बेहतर ढंग से करने के निर्देश दिए।

गुर्जर भवन में गुर्जर महासभा की बैठक 14 जुलाई को

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

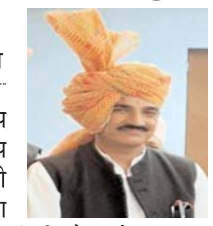

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा मध्य प्रदेश की पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई नवीन कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया एवं निवृतमान पदाधिकारियों के सम्मान के लिए 14 जुलाई को दोपहर 11 बजे से भोपाल के गुर्जर भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन महासभा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हरदा के विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने के मुख्य आतिथ्य एवं प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह पटेल की अध्यक्षता में किया गया है। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता हाकम सिंह गुर्जर एवं मध्य प्रदेश के महासचिव रमेश गुर्जर ने समस्त पदाधिकारी एवं समाजसेवियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होने की अपील की है। बैठक में गुर्जर समाज के वर्तमान विधायक एवं पूर्व विधायक विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। सभी पदाधिकारी अपने जिले की सामाजिक एवं राजनैतिक जानकारी के साथ अपनी जिला कार्यकारिणी की लिस्ट मोबाइल नंबर सहित अपने द्वारा किए गए कार्यक्रम भी लिखित रूप में साथ लेकर अवश्य आए।

फिल्म प्रोड्यूसर मंजू गौतम ने अमरनाथ यात्रियों को फलाहर वितरण किया

भोपाल। फिल्म प्रोड्यूसर एवं निर्माता श्रीमती मंजू गौतम ने प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी अमरनाथ यात्रियों को फलियार वितरण किया करीबन 700 यात्रियों को भोपाल स्टेशन पहुंचकर पुष्पमाला पहनकर उनका स्वागत कर उन्हें फलियार देकर उनसे आशीर्वाद लिया और बाबा बर्फानी से प्रार्थना की कि देश में अमन चैन शांति बने रहे एवं सभी अमरनाथ यात्री कुशल अपने अपने घर बाबा का आशीर्वाद लेकर पहुंचे इस अवसर पर बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी बंधु उपस्थित थे।

साधु हीरानंद जयंती पर विद्यालय में आर्कषण झांकी का भ्रमण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

परमहंस संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब जी के पवित्र आशीष की छाया में उनके उत्तराधिकारी श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी के स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन में, शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित कला लक्ष्मणदास वेंसिमल गनवानी फाउंडेशन स्कूल एवं केवलराम चैनराय पब्लिक स्कूल करोंद में साधु हीरानंद की जयंती मनाई गई। विद्यालय प्रांगण में प्राचार्या द्वारा मां भारती, मां सरस्वती एवं संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब जी के चित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर साधु हीरानंद जी की आकर्षण झाँकी बच्चों के समक्ष प्रस्तुत कर प्रार्थना की गई। श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी ने अपने संदेश में कहा कि साधु हीरानंद के जीवन से हमें सरलता, सहजता तथा सहयोग की भावना का गुण अपने अंदर विकसित करना चाहिए। विद्यालय प्रांगण में साधु हीरानंद का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। साथ ही प्राचार्या का स्वागत शिक्षिका द्वारा किया गया। शिक्षिका रीना विश्वकर्मा द्वारा हीरानंद की जीवनी पर प्रकाश डाला गया। विद्यालय प्राचार्या सुमन विश्वकर्मा ने बच्चों को साधु हीरानंद के जैसे बनने के लिए विद्यार्थियों को साधु जीव से अनुशासन, धैर्य, त्याग, मौन, उचित विचार, सादा जीवन की प्रेरणा लेनी चाहिए और विद्यार्थियों को अनुशासित रहना चाहिए। हीरानंद सुखीराम आडवाणी जिन्हें साधु हीरानंद जी के नाम से जाना जाता है सिंधी भाषा के गद्य लेखक, पत्रकार, शिक्षाविद समाज सुधारक और महिला शिक्षा के समर्थक थे। हीरानंद एक शिक्षक थे इन्होंने यूनियन एकेडमी नामक स्कूल की स्थापना की, हैदराबाद में शिक्षा पर जागरूकता अभियान चलाएं। सन् 1886 में सिंध सुधार नामक अख़बार शुरू किया और संपादक के पद पर कार्य किया। उन्होंने सिंधी भाषा की साहित्यिक पत्रिका सरसोती शुरू की। यह सिंध की पहली पत्रिका थी। जो हिंदू और मुसलमान दोनों के बीच लोकप्रिय थी। उन्होंने कई निबंध, कहानी और साहित्यिक लेख लिखे हैं।

अंत में राष्ट्रगान के साथ प्रार्थना सभा का समापन किया गया एवं इस कार्यक्रम का सफल संचालन सुश्री रैनी जैन के द्वारा किया गया।

आरटीओ में मिलीभगत, लर्निंग लाइसेंस के 25 प्रतिशत ऑनलाइन आवेदन रोजाना अटकते

भोपाल। आरटीओ में लर्निंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होने के बावजूद, दलालों का जाल अब भी फैला हुआ है। शहर में रोजाना 200-250 लोग सारथी पोर्टल पर लर्निंग लाइसेंस के लिए ऑनलाइन आवेदन करते हैं, जिनमें से लगभग 25त्न आवेदन अटक जाते हैं। इन अटके हुए आवेदनों को एजेंट ?800 लेकर अप्रूव करा देते हैं। आरटीओ कार्यालय में दलालों का नेटवर्क सक्रिय है। लोग ट्रांसपोर्ट नगर के आरटीओ कार्यालय जाने के बजाय, एजेंटों का सहारा लेने को मजबूर हो रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह नेटवर्क एजेंटों और बाबुओं की मिलीभगत से चल रहा है।

ऑनलाइन प्रक्रिया में भी एजेंटों का दबदबा: लर्निंग लाइसेंस के लिए किए गए ऑनलाइन आवेदनों में से 50 से अधिक आवेदन पेंडिंग एट आरटीओ की स्थिति में आ जाते हैं। ऐसे में आवेदकों को या तो खुद आरटीओ कार्यालय जाकर अपने आवेदन मैन्युअली अप्रूव कराना पड़ता है, या फिर एजेंटों की मदद लेनी पड़ती है। एजेंट आवेदकों से 600 से 800 रुपये लेकर उनका अटका हुआ आवेदन तुरंत अप्रूव करा देते हैं।

डुप्लीकेसी के नाम पर रोक-टोक: अधिकतर ऑनलाइन आवेदन डुप्लीकेसी के चलते अटकते हैं। यदि किसी आवेदक के नाम और जन्मतिथि का मेल किसी अन्य लाइसेंस धारक से होता है, तो पोर्टल इसे डुप्लीकेट मानकर पेंडिंग कर देता है। ऐसे में आवेदक को इसे मैन्युअली अप्रूव कराना पड़ता है।

लर्निंग लाइसेंस बनाने का सही तरीका: Sarathi Parivahan (https://sarathi.parivahan.gov.in/) पर जाएं। लर्निंग लाइसेंस का विकल्प चुनें। आधार नंबर दर्ज करें और ओटीपी वेरिफाई करें।4. फॉर्म भरें और पेमेंट करें। ऑनलाइन टेस्ट दें। 12 सही जवाब देकर पास होने पर लर्निंग लाइसेंस की पीडीएफ डाउनलोड करें।

विश्व पेपर बैग दिवस - इंसान की इच्छाशक्ति और दृढ़संकल्प से कोई भी कार्य असंभव नहीं :योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल नें बताया कि विश्व पेपर बैग दिवस एक वार्षिक कार्यक्रम है जो प्लास्टिक बैगों की तुलना में पेपर बैगों के उपयोग के पर्यावरणीय लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 12 जुलाई को मनाया जाता है। पेपर बैग का उपयोग करके, हर कोई हर साल इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक की मात्रा को कम कर सकता है और पर्यावरण की रक्षा कर सकता है ।

पेपर बैग एक अद्भुत आविष्कार है जिसने प्लास्टिक प्रदूषण से उत्पन्न होने वाली समस्याओं से निपटने में मदद की है। पेपर बैग पर्यावरण के अनुकूल हैं क्योंकि ये प्राकृतिक रूप से विघटित होते हैं और इन्हें रीसाइकिल किया जा सकता है। योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि योग में इतनी शक्ति है जो व्यक्ति के अंदर अंतरज्योत जला कर इच्छा शक्ति और संकल्पों को पूरा करने मेंएवं बुराइयों का अंत करने में मदद करती है ।

अखिल भारत हिन्दू महासभा की प्रादेशिक बैठक 14 जुलाई को

भोपाल । अखिल भारत हिन्दू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष रोहित दुबे, प्रदेश महामंत्री विनोद जोशी जानकारी देते हुए बताया है कि आगामी 14 जुलाई 2024 को अखिल भारत हिन्दू महासभा की विशेष प्रादेशिक बैठक का आयोजन दानिश नगर होशंगाबाद रोड, आसमा मॉल के पास भोपाल में सुबह 11 बजे होना तय हुआ है। जिसमें धार भोजशाला समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा की जाएगी एवं महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। इस मौके पर राष्ट्रीय महामंत्री देवेंद्र पाण्डेय मुख्य अतिथि, राष्ट्रीय संगठन मंत्री राकेश तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल रहेंगे साथ ही देवेंद्र पांडे राष्ट्रीय महासचिव, राकेश तिवारी राष्ट्रीय संगठन मंत्री, पवन त्रिपाठी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, दिनेश सुगंधी राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री, प्रमोद शर्मा राष्ट्रीय प्रवक्ता, सुनंदा दुबे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, चेतन पंडित युवा राष्ट्रीयअध्यक्ष, प्रीति राय राष्ट्रीय अध्यक्ष, रोहित दुबे प्रदेश अध्यक्ष, विनोद जोशी प्रदेश महामंत्री, लालजी शर्मा प्रदेश संगठन मंत्री, गोपाल व्यास प्रदेश उपाध्यक्ष, विजय रामदास प्रदेश अध्यक्ष संत महासभा, निलेशानंद तिवारी संत महासभा कार्यकारिणी अध्यक्ष, भवरलाल चौधरी कार्यकारिणी अध्यक्ष, वीरसिंह राजपूत युवा महासभा प्रदेश अध्यक्ष, मंगल सिंह डाबी युवा महासभा कार्यकारिणी अध्यक्ष, ओम आजाद, शिवकुमार भार्गव वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्षगौरव शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष, निशांत सिंघ प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदीप श्रीवास्तव प्रदेश उपाध्यक्ष, शांतनु सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रवेश विनोदिया प्रदेश प्रवक्ता भारती यादव प्रदेश उपाध्यक्ष, शांतनु सिंह कोषाध्यक्ष, सुशांत बाबू गुप्ता भोपाल संभाग अध्यक्ष, दुर्गा प्रसाद राजपूत संभाग उपाध्यक्ष, विजय कुमार चंद्र भोपाल संभाग प्रवक्ता, निकेत शर्मा भोपाल जिला अध्यक्ष, देवेंद्र तिवारी भोपाल संगठन मंत्री, संजय वर्मा आदि मौजूद रहेंगे।

विश्व जनसंख्या स्थिरता दिवस : जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटकों के साथ ही निकाली रैलियां

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्व जनसंख्या स्थिरता दिवस के मौके पर, भोपाल में विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इस वर्ष की थीम विकसित भारत की नई पहचान, परिवार नियोजन हर दंपत्ति की शान पर रखी गई थी। जागरूकता रैलियों, नुक्कड़ नाटकों और नवदम्पति परामर्श कार्यक्रमों के माध्यम से परिवार कल्याण के विभिन्न उपायों की जानकारी दी गई। विश्व जनसंख्या माह 11 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेगा, जिसमें समुदायिक स्तर पर नवदंपति एवं सास बहू सम्मेलन, और परिवार नियोजन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

नवदंपतियों को नई पहल किट में सौंदर्य प्रसाधन, परिवार नियोजन के साधनों की जानकारी, कंडोम और गर्भनिरोधक गोलियां प्रदान की जा रही हैं। साथ ही, प्रेगनेंसी टेस्ट किट भी उपलब्ध कराई जा रही है। भोपाल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि भारत में परिवार नियोजन को राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में 1952 में शुरू किया गया था। इसके अंतर्गत सभी साधन सुरक्षित और उपयोग में आसान हैं, और इन्हें निशुल्क प्राप्त किया जा सकता है। जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पतालों, गैस राहत चिकित्सालयों, और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नसबंदी शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, और नसबंदी कराने पर हितग्राहियों को प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जा रही है।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी की मुस्कान ने कुआलालंपुर के यूसीएसआई यूनिवर्सिटी में पूरी की ट्रांसफॉर्मेटिव इंटर्नशिप

भोपाल। स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि बी.टेक (सीएसई) की द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री मुस्कान गौर ने हाल ही में कुआलालंपुर, मलेशिया में यूसीएसआई यूनिवर्सिटी में एक अत्यंत समृद्ध इंटर्नशिप पूरी की है। इस असाधारण अवसर ने मुस्कान गौर को अमूल्य अनुभव प्रदान किए, जिसने उनके एजूकेशनल और प्रोफेशनल एक्सपोजर को काफी व्यापक बना दिया है। इंटर्नशिप के दौरान मुस्कान गौर ने साइबर सुरक्षा, मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स सहित विभिन्न अत्याधुनिक विषयों पर विशेष कार्यशालाओं में भाग लिया। अलग-अलग दिनों में आयोजित प्रत्येक कार्यशाला का उद्देश्य कंप्यूटर विज्ञान के इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उनकी समझ और व्यावहारिक ज्ञान को गहरा करना था। मुस्कान को यह अवसर यूटीई ग्लोबल फ्यूजन-मलेशिया 2024 इमर्शन प्रोग्राम के तहत प्राप्त हुआ था जिसे छात्रों को शिक्षा पर वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। प्रतिभागी शैक्षणिक कार्यशालाओं, उद्योग यात्राओं, सहयोगी शिक्षण, नेटवर्किंग अवसरों और भ्रमण यात्राओं में भाग लेते हैं, जिससे उनका शैक्षणिक, सांस्कृतिक और व्यक्तिगत विकास होता है।

टॉप 8 इम्युनिटी-बूस्टिंग फूड्स, जो फ्लू के मौसम में हमें सेहतमंद रखते हैं

भोपाल। मानसून का मौसम अपने साथ कई स्वास्थ्य संबंधित चुनौतियां लेकर आता है, जैसे कि सर्दी-जुकाम, पाचन से जुड़ी समस्यायें और कमजोर इम्युनिटी। डॉ. रोहिणी पाटिल, एमबीबीएस और न्यूट्रिशनिस्ट का कहना है कि बादाम, हल्दी और अदरक जैसे पोषक तत्वों से भरपूर सुपरफूड्स को अपने आहार में शामिल करने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता यानि इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इस तरह के खाद्य पदार्थ आपको इस मौसमी बदलाव के दौरान सेहतमंद बनाये रखते हैं। बादाम में हेल्दी फैट्स, प्रोटीन, जिंक, मैग्नीशियम और विटामिन ई जैसे 15 जरूरी पोषक तत्व पाये जाते हैं। ये दिल को सेहतमंद रखते हैं और एनर्जी लेवल्स बढ़ाते हैं। अपने दैनिक आहार में बादाम को शामिल करने से इम्युनिटी बढ़ाने, त्वचा को सेहतमंद बनाये रखने और वजन को प्रभावी तरीके से प्रबंधित करने में मदद मिल सकती है। को इसके एंटी-फ्लेमेंटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिये जाना जाता है। यह इम्युनिटी बढ़ाती है और संक्रमण को रोकने में मदद करती है। अदरक खाने को पचाने में मदद करती है और जलन की समस्या को कम करती है। इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो इसे सर्दी-जुकाम से बचाने और मौसम परिवर्तन के दौरान गले में खराश अथवा दर्द जैसी समस्या को दूर करने के लिये एक बेहद जरूरी चीज बनाते हैं। लहसुन में एलिसीन जैसे तत्व पाये जाते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाते हैं और एंटीमाइक्रोबियल प्रभाव दिखाते हैं। इसलिये खासतौर से मानसून के मौसम के दौरान इसका सेवन फायदेमंद होता है। ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है। संतरा, नींबू और अंगूर जैसे सिट्रस फूट्स में विटामिन सी की प्रचुर मात्रा होती है, जो इम्युनिटी बढ़ाने और त्वचा को सेहतमंद बनाये रखने के लिये जरूरी है। इसलिये मौसमी बदलाव के दौरान इनका सेवन बहुत लाभदायक होता है।

आप भी सुपरहीरो बन सकते हैं, बस एक बार रक्तदान करिए

भोपाल- राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक राहुल लोधी ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल में अपना पहला रक्तदान किया। यह रक्तदान 8 साल के देवांश के लिए किया गया, जिसकी किडनी में इन्फेक्शन है। राहुल लोधी ने बताया कि रक्तदान करने के बाद उन्हें बहुत अच्छा महसूस हुआ और उन्हें किसी भी तरह की कमजोरी नहीं लगी। उन्होंने इस अनुभव को साझा करते हुए कहा कि वे हर 6 महीने में एक बार स्वैच्छिक रक्तदान करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। राहुल ने अपने पहले रक्तदान के बाद यह संदेश दिया कि हर व्यक्ति सुपरहीरो बन सकता है। बस एक बार रक्तदान करके किसी की जिंदगी बचाने का साहस दिखाएं।

महिला यात्रियों के लिए सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन स्थापित

भोपाल। भारतीय रेलवे और भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन के सहयोग से, भोपाल रेल मंडल ने भीना रिफायनरी के तहत कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (ष्टस्क्र) के अंतर्गत महिला प्रतीक्षालय में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना की है। इस ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन की क्षमता 100 पैड है, जो महिला यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा प्रदान करेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि इस उपकरण के माध्यम से महिला यात्रियों को समय और आसानी से सेनेटरी पैड मिलेगा, जिससे उनकी यात्रा और भी आरामदायक और सुरक्षित बनेगी। यह पहल महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता को प्राथमिकता देने के लिए की गई है। स्थानीय स्तर पर, स्टेशन परिसर में स्वच्छता को बनाए रखने के लिए डस्टबिन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह कदम स्टेशन पर स्वच्छता और स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करेगा, जिससे यात्रियों को एक साफ और सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा। पश्चिम मध्य रेलवे ने यात्रियों की सुविधाओं को बढ़ाने और स्वच्छता को बनाए रखने के लिए लगातार प्रयासरत है। यात्रियों से अनुरोध किया जाता है कि वे स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें और स्टेशन परिसर को साफ-सुथरा रखे।

स्व-सहायता समूह, कुटीर व ग्रामोद्योग तथा मध्यम उद्यम को प्रोत्साहित करने सहयोग करें बैंक: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में स्व-सहायता समूह, कुटीर-ग्रामोद्योग तथा मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए बैंक सहयोगी प्रवृत्ति अपनाते हुए अपनी गतिविधियों का विस्तार करें। रोजगारमूलक कार्यों के लिए कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सभी जिलों में समान रूप से गतिविधियों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। व्यापार-व्यवसाय के साथ जन-कल्याण और आम आदमी की आर्थिक आत्मनिर्भरता से संबंधित कार्यों में बैंकों की ओर से संवदेनशीलता और तत्परता के साथ कार्य अपेक्षित है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में आयोजित राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 189वीं और 190वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राज्य बैंकर्स समिति ने राज्य शासन द्वारा सर्वजन हिताय बजट प्रस्तुत करने और एक पेड़ मां के नाम वृहद पौधरोपण अभियान के लिए बधाई देते हुए पौध-रोपण में सभी बैंकों के सक्रिय सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एन्युअल क्रेडिट प्लान मध्यप्रदेश 2024-25 पुस्तक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी क्षेत्रों के समान विकास के उद्देश्य से उद्योग-व्यापार प्रोत्साहन के लिए आंचलिक स्तर पर गतिविधियाँ संचालित कर रही है। बैंकर्स इस उद्देश्य से विभिन्न अंचलों की आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए पहल करें। विकास और गरीब कल्याण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनजातीय क्षेत्रों में व्याप्त साहूकारी प्रथा से निकालकर लोगों को बैंकों से जोड़ने के लिए प्रयास किए जाएं। इसी प्रकार घुमन्तु, अर्धघुमन्तु जनजातियों को ठोस आजीविका के साधन उपलब्ध कराने के लिए उन्हें कृषि अथवा व्यवसाय से जोड़ने के लिए भी कार्य योजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि जिन 14 स्थानों पर बैंकिंग शाखाएं खोली जाना शेष हैं, वहाँ आवश्यक समन्वय एवं प्रबंध कर समय-सीमा में बैंक सुविधा आरंभ की जाए।

मऊगंज, मैहर, पांढुर्ना आगर-मालवा तथा निवाड़ी में भी आरंभ होंगे ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान: बैठक में वर्ष 2023-24 में बैंकों की व्यवसाय वृद्धि, वार्षिक साख योजना, शासकीय योजनाओं की प्रगति पर जानकारी प्रस्तुत की गई। साथ ही वित्तीय समावेशन, गैर निष्पादित अस्तियों के संबंध में भी विचार-विमर्श हुआ। बताया गया कि ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना लगभग सभी जिलों में की गई है। जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बीपीएल युवाओं को आवश्यक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है। नए जिले मऊगंज, मैहर और पांढुर्ना और पहले से आगर-मालवा तथा निवाड़ी में प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, मलय श्रीवास्तव, के.सी. गुप्ता, प्रमुख सचिव सहकारिता दीपाली रस्तोगी, प्रमुख सचिव वित्त मनीष सिंह, भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग के संचालक जितेन्द्र असाटी, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के संयोजक टी.एस. जीरा सहित राज्य शासन के अधिकारी और बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि सहित नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने पर फोकस, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल, नर्मदापुरम संभाग के विधायकों से की चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी विधानसभाओं में आगामी 4 वर्षों में समग्र विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र का विजन डॉक्यूमेंट तैयार करें। लक्ष्य प्राप्ति के लिए समय-सीमा और जिम्मेदारियां निर्धारित की जाएं। उन्होंने कहा कि विजन प्लान विधायक, जिला कलेक्टर, विभागीय अधिकारी और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि डॉक्यूमेंट में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, स्वच्छता, बुनियादी ढांचे और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सुधार करके क्षेत्र के नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने पर फोकस किया जाए। एक जिला एक उत्पाद योजना से रोजगार के अवसर प्रदान करने को भी शामिल करें। विभागों द्वारा लगभग 2 लाख पदों पर भर्तियाँ की जाएंगी, इस संबंध में युवाओं को जानकारी और प्रशिक्षण देकर आवेदन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के विधायकों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में सांसद श्री वीडी शर्मा, मंत्रीगण, विधायक और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। संबंधित जिलों के अधिकारी वर्चुअली जुड़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉक्यूमेंट में विधायकगण 100 करोड़ रुपए राशि के कार्य शामिल कर सकते हैं। इसमें 40 करोड़ रुपए विधायक निधि, सांसद निधि, जन-भागीदारी, सीएसआर, रिडेंसीफिकेशन एवं अन्य रिडेवलपमेंट मद से प्राप्त किए जाएंगे। शेष 60 करोड़ की राशि राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 15 करोड़ जारी कर उपलब्ध कराई जाएगी। प्रत्येक विधायक अपनी विधानसभा में कलेक्टर के सहयोग से उद्योगों के लिए भूमि आरक्षित कराएं और औद्योगिक क्षेत्र घोषित करके उद्योग लगवाए जाएं। कुटीर, लघु और वृहद उद्योग के लिए अनुकूल वातावरण निर्मित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी आठ क्विंटल से बढ़ाकर 12 क्विंटल तक खरीद ने का निर्णय लिया गया है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में शामिल हुए मंत्री गोविंद सिंह राजपूत

सागर। एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने ग्राम भिलैया के समीप 25 हजार पौधे लगाकर अभियान का शुभारंभ किया इस अवसर पर स्कूल के बच्चे, वन विभाग के अधिकारी जनप्रतिनिधि तथा भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे जिन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर मंत्री राजपूत ने कहा कि वृक्ष जीवन दाता है जो कार्बन डाइऑक्साइड को खुद में समाहित करके हम सबको ऑक्सीजन देते हैं यह वृक्ष भगवान शंकर के समान है जो खुद जहर पीकर दुनिया को अमृत देते हैं। राजपूत ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रकृति को परिवार से जोड़ने का अभियान चलाया है जिसमें एक वृक्ष मां के नाम लगाने का उन्होंने सभी देशवासियों से आवाहन किया है।हम सब की जिंदगी के लिए पौधों ,वृक्ष का बड़ा योगदान है यदि पौधे नहीं होते तो हमारी जिंदगी नहीं होती।इसलिए हम सबको आज संकल्प लेना होगा कि सभी अपनी मां के नाम अपने परिजनों के नाम एवं अपने नाम

एक पौधा लगाए उन्होंने कहा कि पौधा केवल लगाना नहीं उनको बचाने के लिए भी संकल्प लें और उसकी लगातार देखभाल करें। जब तक कि वह पौधा वयस्क ना हो जाए। मंत्री राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा जो एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रारंभ किया गया है इसके अंतर्गत मध्य प्रदेश में 5 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसी अभियान के अंतर्गत सागर में वन विभाग के द्वारा25हजार सुरखी सहित संपूर्ण सागर जिले में 25 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य लिया गया है उन्होंने कहा कि हम सबको यह आज संकल्प लेना होगा कि 25 लाख पौधों को लगाने के बाद उनको बचाने का कार्य भी हम सब करें।

मंत्री राजपूत ने बरगद के पेड़ के साथ ली सेल्फी : खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने मध्य प्रदेश शासन के वायुदय ऐप को मोबाइल में डाउनलोड कर बरगद का पेड़ लगाकर सेल्फी ली एवं सभी से कहा कि हम सब पौधा लगाकर वायु ऐप पर सेल्फी लेकर डाउनलोड करें और उसकी लगातार वृक्ष होने तक मॉनिटरिंग करें। इस अवसर पर सुखदेव मिश्रा, वीरेंद्र पाठक , अजय दुबे,गुड्डा शुक्ला, सिद्धार्थ पचौरी, सुरखी मंडल अध्यक्ष जगदीश लोधी, राघव कुसुमगढ़ ,पवन दुबे राकेश तिवारी ,सीसीएफ अनिल कुमार सिंह ,डी एफ ओ महेंद्र प्रकाश सिंह रेंजर लखन सिंह, रवि सिंह शहर बड़ी संख्या में जन प्रतिनिधि अधिकारी एवं स्कूली छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

कालिदास राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन 13 जुलाई से

भोपाल। ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल एवं कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन द्वारा पंचम दो दिवसीय 13-14 जुलाई को कालिदास राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन 13 जुलाई सुबह 10 बजे से नेहरू नगर स्थित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) के सभागार में किया जा रहा है। (भारत को विश्व गुरु बनाने में ज्योतिष की भूमिका) विषय पर यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस दो दिवसीय सम्मेलन में देश के कोने-कोने से ज्योतिष विद्यया से संबंधित विद्वानों को आमंत्रित किया गया है। ज्योतिष सम्मेलन में लगभग 250 ज्योतिष के जानकार अपने ज्ञान का आदान-प्रदान करेंगे। इस दौरान 50 शोधार्थियों द्वारा ज्योतिष शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। संस्कृति के अनुरूप ज्योतिष सम्मेलन में सभी ज्योतिषी सांस्कृतिक परिधान में ही प्रवेश करेंगे। सम्मेलन में विशेष रूप से आवाहन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर 1008 स्वामी श्रीअवधूत बाबा अरुणगिरिजी महाराज का आगमन होगा। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, संस्कृति मंत्री, स्थानीय सांसद, विधायक, महापौर आदि माननीयों को भी आमंत्रित किया गया है। इसके साथ स्थानीय साधु-संत महंतों का आगमन भी ज्योतिष सम्मेलन में हो रहा है। सम्मेलन में ज्योतिष अध्यात्म एवं धर्म के जानकार अपने उद्बोधन से ज्ञान का प्रकाश फैलाएंगे। वहीं सायंकालीन भागवत संगीत संध्या के आयोजन में अंतरराष्ट्रीय स्तर के भागवताचार्य द्वारा भागवत के मर्म पर प्रस्तुति दी जाएगी। इस सत्र में शाम 6 बजे से 8 बजे के बीच स्थानीय ज्योतिष प्रेमी अतिथि ज्योतिषाचार्यों से चर्चा भी कर सकेंगे।

एम्स के बाल रोग विभाग ने किया व्याख्यान का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स के कार्यपालक निदेशक प्रो. डॉ. अजय सिंह के समर्थन और मार्गदर्शन में बाल रोग विभाग द्वारा 10 जुलाई, 2024 को एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पीड्रियाट्रिक न्यूवरोलाजिस्टल डॉ. रचना दुबे, एम्स नई दिल्ली और डॉ. पंकज पाल, पी.जी.आई.एम.ई.आर., चंडीगढ़ शामिल थे। व्याख्यान का उद्देश्य रेजीडेन्ट्सा के ज्ञान को समृद्ध करना, शिक्षा को बढ़ावा देना और मूल्यवान अनुभवों को साझा करना था। डॉ. रचना दुबे ने एप्रोच टू मूवमेंट डिसआर्डर पर व्याख्यान दिया, जिसमें अधिक व्यावहारिक समझ के लिए वीडियो भी दिखाए गए। डॉ. पंकज पाल ने एक्यूट इन्सेफेलाइटिस सिंड्रोम के हालिया अपडेट और दृष्टिकोण पर चर्चा की। इस कार्यक्रम का संचालन बाल रोग विभाग में प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. शिखा मलिक और न्यूरोलॉजी की एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. प्रियंका वी कश्यप ने किया।

एम्स में अब इग्नू के पाठ्यक्रम भी पढ़ाए जाएंगे

भोपाल। एम्स को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) पाठ्यक्रमों के लिए लर्नर सपोर्ट सेंटर (एलएससी) के रूप में नामित किया गया है। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वालों के लिए शैक्षिक अवसरों में बढ़ोत्तरी होगी । 2020 से, एम्स भोपाल इग्नू, इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड अलाइड साइंसेज (आईएनएमएएस) और देश भर के चार अन्य चिकित्सा संस्थानों के सहयोग से सीबीआरएनई आपदाओं के चिकित्सा प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीएमडीएम) कार्यक्रम शुरू करने में सबसे आगे रहा है। और देश में पहली बार यह पाठ्यक्रम यहाँ शुरू किया गया था। पीजीसीएमडीएम कार्यक्रम की सफलता के आधार पर, एम्स भोपाल इग्नू के साथ साझेदारी में 11 अतिरिक्त पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है। ये पाठ्यक्रम अस्पताल और स्वास्थ्य प्रबंधन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, वृद्धावस्था चिकित्सा, नर्सिंग और स्वास्थ्य देखभाल सहायता सहित स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े लोगों के लिए आवश्यक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हैं। अस्प ताल और स्वा स्थ्यि प्रबंधन में पोस्टस ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स की ऑनलाईन कक्षाएं 09 जुलाई 2024 से आरंभ कर दी गई हैं। इस पाठ्यक्रम में 32 विद्यार्थियों ने नामांकन करवाया है।प्रोफेसर अजय सिंह ने कहा, एम्स भोपाल को इग्नू लर्नर सपोर्ट सेंटर के रूप में नामित करना स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रहे व्यक्तियों को सुलभ और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

डॉ. अरनीत अरोड़ा को एम्स भोपाल में इग्नू पाठ्यक्रमों के लिए लर्नर सपोर्ट सेंटर का समन्वयक नियुक्त किया गया है।

विदेश में उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति के लिए 31 जुलाई तक होंगें आवेदन

भोपाल । प्रदेश के सामान्य, अनारक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विदेश में स्नातकोत्तर एवं पीचएडी उपाधि के लिए छात्रवृत्ति योजना सत्र 2024-25 (सत्र जुलाई से दिसम्बर 2024) के अन्तर्गत आवेदन आंमत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 निर्धारित की गई है। योजनांतर्गत पात्र विद्यार्थी आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई को सायं 6 बजे तक कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय, तृतीय तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल में स्वयं अथवा वाहक अथवा डाक द्वारा द्वारा अपना आवेदन जमा कर सकेंगे। अपात्र/अपूर्ण/त्रुटिपूर्ण एवं निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन विचारणीय नहीं होंगे। अनारक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा (स्नातकोत्तर एवं पीचएडी उपाधि के लिए) प्राप्त करने के लिये राज्य सहायता छात्रवृत्ति में आवेदन करने के लिए विद्यार्थी, मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है। विद्यार्थी का अर्हकारी परीक्षा स्नातक/स्नातकोत्तर में 60 प्रतिशत से अधिक अंक से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है और उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अनुमोदित सूची में सम्मिलित विदेश में स्थित विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में अध्ययन के लिये प्रवेश (ऑफर लेटर) प्राप्त करना अनिवार्य है।

अनाधिकृत बिजली जलाने पर 20 प्रकरणों में 4 लाख 72 हजार से अधिक की बिलिंग की गई

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 181 प्रकरणों में सूचना प्राप्त होने के उपरांत 57 प्रकरणों में जांच की गई। इनमें 20 प्रकरणों में अवैध बिजली की चोरी पाये जाने पर 4 लाख 72 हजार 838 रूपये के बिल जारी किए गए, जिसमें 6 प्रकरणों में 1 लाख 23 हजार 643 रूपये की कुल राशि प्राप्त की गई है। इनमें ग्वालियर शहर वृत्त में कुल 70 शिकायतें मिली, जिनमें से 24 की जांच की गई तथा 6 प्रकरणों में 1 लाख 18 हजार 917 रूपये की बिलिंग की गई। इसके विरूद्ध 77 हजार 243 रूपये का राजस्व अर्जित किया गया।

इसी तरह ग्वालियर ग्रामीण वृत्त में 26 गुप्त शिकायतों में से 11 को चेक किया गया। ग्रामीण सर्किल दतिया में 21 प्रकरणों में से 16 की जांच की गई तथा एक प्रकरण में 17 हजार 857 रूपये का बिल दिया तथा 3 प्रकरणों में 46 हजार 400 रूपये का राजस्व अर्जित किया गया। मुरैना में 42 शिकायतों पर 1 की जांच की गई जबकि भिंड ग्रामीण में कुल 22 शिकायतों के विरूद्ध 05 की जांच हुई तथा इनमें से 13 की बिलिंग की गई जिनको 3 लाख 36 हजार 064 रूपये बिल दिया गया।

गौरतलब है कि कंपनी द्वारा विद्युत की चोरी के प्रभावी रोकथाम एवं विद्युत के अवैध उपयोग को रोकने के लिए यह योजना चलाई गई है। योजनांतर्गत कोई भी व्यक्ति बिजली के अवैध उपयोग के संबंध में सूचना कंपनी मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक, संचा.संधा/शहर वृत्त कार्यालय के महाप्रबंधकों को लिखित अथवा मोबाईल पर दे सकता है। हाल ही में कंपनी की वेबसाईट पर ऑनलाईन सूचना देने की व्यवस्था की गई है। सफल सूचनाकर्ता को अथवा उपभोक्ता को विद्युत चोरी की क्षतिपूर्ति की पूर्ण राशि जमा होने पर, बिल की राशि के दस प्रतिशत की राशि को पारितोषिक राशि के रूप में दिये जाने का प्रावधान है।पारितोषिक योजना के अंतर्गत सूचनाकर्ता के संबंध में जानकारी पूर्णत: गोपनीय रखते हुए, कंपनी मुख्यालय से प्रोत्साहन की राशि सीधे संबंधित सूचनाकर्ता के बैंक के खाते में हस्तांतरित की जाती है। इस योजना के अंतर्गत क्षेत्रीय, वृत्त स्तर के अधिकारियों को जो शिकायतें प्राप्त होती है, उन शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई सुनिश्चित किये जाने के लिये कंपनी मुख्यालय के द्वारा सतत रूप से निगरानी रखी जाती है। फर्म, एजेंसी, संगठन भी सूचनाकर्ता हो सकते है, जिन्हें कंपनी मुख्यालय में पदस्थ नोडल अधिकारी के माध्यम से पंजीकरण कराना आवश्यक है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए इनाम योजना में सूचनाकर्ता को निर्धारित शर्तों के अधीन पारितोषिक देने का प्रावधान है। सूचना के आधार पर राशि वसूली होने पर सफल सूचनाकर्ता को 10 प्रतिशत राशि का भुगतान किया जाएगा।

बिजली कंपनी के कर्मचारियों को 35 वर्ष पूरा करने पर मिलेगा चतुर्थ वेतनमान

ऊर्जा मंत्री ने पॉवर इंजीनियर्स एण्ड एम्पलॉइज एसोसिएशन के साथ की चर्चा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

बेहतर सेवा कर बिजली कंपनी की अच्छी इमेज बनाएं। कंपनी की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करें। उपभोक्ताओं के फोन सभी बिजली कर्मचारी एवं अधिकारी उठाएं। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह बात पॉवर इंजीनियर्स एण्ड एम्पलॉइज एसोसिएशन एवं भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में कही। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर जरूरी कार्यवाही करेंगे। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा अपने

कर्मचारियों को 35 वर्ष पूर्ण होने पर चतुर्थ वेतनमान घोषित किया गया था। इसी के अनुरूप यह निर्णय लिया गया है कि इस आदेश को सभी कंपनियों में लागू किया जाये, जिससे 35 वर्ष पूर्ण कर चुके अधिकारियों/कर्मचारियों को उसका लाभ मिल सके। इसी प्रकार, कंपनी कैडर के अधिकारियों के दूसरे उच्च वेतनमान में अधीक्षण अभियंता समकक्ष की विसंगति, ह्3? (ओ-3 स्टार) के रूप में थी, उसको भी समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। ऊर्जा मंत्री ने संगठन के पदाधिकारियों द्वारा प्रस्तुत मांग-पत्र के बिन्दुओं पर पृथक-पृथक चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन मांगों पर कार्य-योजना बनाकर क्रमबद्ध निर्णय लेंगे। मंत्री ोमर ने कहा कि कैशलेस हेल्थ इन्श्योरेंस के संबंध में कर्मचारियों से चर्चा कर अतिशीघ्र निर्णय लिया जाएगा। बैठक में वेतन विसंगति, नियुक्ति, वर्षों से लंबित नाइट शिफ्ट अलाउंस आदि बेनिफिट, विद्युत अधिकारियों/कर्मचारियों की सुरक्षा और बिजली कंपनियों में चालू प्रभार वरिष्ठता के आधार पर देने के संबंध में चर्चा हुई। बैठक में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा मनु श्रीवास्तव एवं पॉवर इंजीनियर्स एण्ड एम्पलॉइज एसोसिएशन और भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सम्पादकीय

स्पेक्ट्रम में घाटा

इस बार फाइव जी स्पेक्ट्रम के आवंटन को लेकर सरकार की तरफ से जल्दबाजी हुई, या कोई और मामला, आवंटन घाटे का सौदा रहा। तय राशि की तुलना में छठवें हिस्से की भी बोली नहीं लगी। लेकिन खरीदने के बाद ही मोबाइल टैरिफ दरों में ताबड़तोड़ इजाफा कर दिया गया। एक बात और, ये स्पेक्ट्रम जिसके अधिकार में है, वो बीएसएनएल अभी तक फोर जी ही नहीं हो पाया और लगभग बंद होने की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया गया है। साल 2015 में स्पेक्ट्रम की नीलामी से सरकार को 1.09 लाख करोड़ मिले थे। जबकि इस साल 2024 में स्पेक्ट्रम की नीलामी से सरकार को सिर्फ 11,340 करोड़ की आमदनी हुई है।

देखा जाए तो 119 करोड़ मोबाइल और 92.4 करोड़ इंटरनेट ब्रॉडबैंड कनेक्शन वाले देश में सरकार की आमदनी कम होती जाए, इसके साथ ही टेलीकॉम कम्पनियों का घाटा और आम लोगों की जेब पर बोझ बढ़े तो यह चिंता की बात तो है। विशेषज्ञों का मानना है कि इसके पीछे अधकचरे तरीके से लागू किए गए नए टेलीकॉम कानून ही प्रमुख कारण हैं। संदर्भ के अनुसार जुलाई 2022 में जारी मसौदे में टेलीकम्युनिकेशन का दायरा बहुत बड़ा था।

लेकिन दिसम्बर 2023 में संसद से पारित कानून में टेलीकम्युनिकेशन के दायरे से ओटीटी, इंटरनेट आधारित कॉल्स और मैसेजिंग एप्स को हटा दिया गया। जबकि देश की बहुत बड़ी आबादी नेटफ्लिक्स, जूम और वॉट्सएप आदि का इस्तेमाल करती है। विदेशी कम्पनियों से जुड़ी इन सेवाओं को कानून, लाइसेंस, टैक्स के दायरे से बाहर रखने का न तो कारण समझ आया और न ही कोई तथ्य सामने आया।

पुरानी बात जरूर है, लेकिन स्पेक्ट्रम घोटाले पर यूपीए सरकार की बहुत फजीहत हुई थी। हालांकि इसकी शुरुआत स्व. प्रमोद महाजन के समय से हुई थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के अनुसार स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी के आधार पर ही होना चाहिए। लेकिन नए कानून में सैटेलाइट जैसी सेवाओं के लिए प्रशासनिक आधार पर स्पेक्ट्रम के आवंटन का कानून है। एलन मस्क जैसे दिग्गजों के वर्चस्व वाले सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं वाले सेक्टर के लाइसेंस और इस पर नियंत्रण के लिए भारत में प्रभावी कानून ही नहीं है। रियायती दरों पर स्पेक्ट्रम आवंटन से न केवल सरकारी खजाने को नुकसान हो रहा है, अपितु सैटेलाइट इंटरनेट के निर्बाध संचालन से राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा बढ़ सकता है।

5जी के नाम पर डेटा प्लान की दरों में 46 फीसदी बढ़ोतरी से मोबाइल कम्पनियों की सालाना आमदनी 47,500 हजार करोड़ होने के साथ उनके शेयर की वैल्यू भी बढ़ेगी। इन कंपनियों ने टैरिफ दरों को 10 से 25 प्रतिशत बढ़ा दिया है। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू ये है कि मार्च 2023 में मोबाइल कम्पनियों का घाटा लगभग 6.40 लाख करोड़ हो गया है। टेक्नोलॉजी, रिसर्च और 12 लाख नए मोबाइल टावरों को लगाने के लिए टेलीकॉम कम्पनियों के पास पैसे नहीं हैं। इसीलिए 5जी के नाम पर पैसे चुकाने वाले ग्राहकों को सही सेवा नहीं मिल रही।

एक आंकड़ा और आया है। इसके अनुसार अमेरिका में एक जीबी डेटा की औसत कीमत 5.37 डॉलर है, जबकि भारत में 0.16 डॉलर। भारत में पिछले 10 सालों में डेटा की खपत 43 गुना बढ़ी है। इसका फायदा ओटीटी, इंटरनेट आधारित कॉलिंग सेवाओं और मैसेजिंग एप्स को हो रहा है। लेकिन वो हमारे कानून के दायरे में ही नहीं रखे गए, साथ ही उनसे लाइसेंस फीस की वसूली भी नहीं होती है। इससे एक तरफ सरकार को चपत लग रही है तो दूसरी ओर मोबाइल कम्पनियों का घाटा बढ़ रहा है।

मोबाइल टॉवरों की स्थापना जिस भूमि में होती है, वह विषय संविधान के अनुसार राज्य सरकारों के अधीन है। बिजली कानून से जुड़ा विषय भी समवर्ती सूची में है। उसके बावजूद टेलीकॉम कानूनों को बनाने और लागू करने में राज्य सरकारों के साथ किसी तरह का परामर्श नहीं किया गया। डीएनडी यानी डु नॉट डिस्टर्ब, अनचाहे कॉल्स और साइबर अपराध से लोगों को बचाने के बारे में कई सालों से सिर्फ शोर ही सुनाई दे रहा है। अनचाहे कॉल्स से जुड़े कानून की धारा 28 के तहत नियम ही नहीं बन पाए हैं।

और तो और, नए कानून में शामिल 62 धाराओं में से लगभग 39 को ही फिलहाल लागू किया गया और 23 धाराओं से जुड़े नियम अभी जारी नहीं किए गए। अनचाहे कॉल और मैसेजों से मुक्ति के लिए कानून की धारा-28 में प्रावधान हैं। लेकिन उससे जुड़े नियमों को संसद में पेश करना बाकी है। ऐसी ही गफलत दूसरे कानूनों में है।

अब इसे सरकार की उदासीनता मान कर नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। सही बात तो यह है कि यहां दाल में कुछ नहीं, काफी कुछ काला नजर आ रहा है। जब यूपीए सरकार स्पेक्ट्रम मामले में उलझी, तब इतना घाटा नहीं हुआ, तो अब जो हजारों करोड़ का घाटा हुआ है, उसकी बात क्यों नहीं उठाई जा रही? कहीं ये भी घोटाले की जद में नहीं आ रहा है? यदि कोई विपक्षी राज्य सरकार होती तो अभी तक कई लोग जेल भी पहुंचा दिए जाते। केवल विचार नहीं, इस मुद्दे पर मोबाइल उपभोक्ताओं को भी आवाज उठाना चाहिए। सरकार को घाटा हो रहा है और उपभोक्ता लुट रहा है। दोनों बोझ आखिर जनता पर ही पड़ना है।

सांसद जनार्दन मिश्रा टॉयलेट साफ करते हैं, मंत्री विश्वास सारंग कार पर चढ़ बैठते हैं और...

रविकांत दीक्षित

मध्यप्रदेश में तो मानो गजब ही हो रहा है। सांसद टॉयलेट साफ कर रहे हैं। मंत्री जी कार पर चढ़कर जश्न मनाते हुए वीडियो बनवाते हैं और डीएसपी साहब की तो बात ही निराली है। मतलब हद से ज्यादा कुछ नहीं हैं इनके काम।

लोकप्रियता या आज के हिसाब से कहें तो फेम पाने के लिए लोग क्या कुछ नहीं करते। नेता और अफसर भी इसमें पीछे नहीं है। मध्यप्रदेश में तो मानो गजब ही हो रहा है। सांसद टॉयलेट साफ कर रहे हैं। मंत्री जी कार पर चढ़कर जश्न मनाते हुए वीडियो बनवाते हैं और डीएसपी साहब की तो बात ही निराली है। मतलब हद से ज्यादा कुछ नहीं हैं इनके काम। सवाल यही है कि क्या वाकई सांसद को टॉयलेट साफ करना चाहिए। क्या मंत्री को यूं कार के बोनट पर जश्न मनाना चाहिए और क्या एक पुलिस अधिकारी को यूं बच्चों के साथ मजाक मस्ती करनी चाहिए। संभ्रांत समाज का जवाब न ही होगा। हालांकि इनके समर्थक या फैन्स को यह खबर तकलीफ दे सकती है, लेकिन सच यही है कि इनके ये अटपटे वीडियो सस्ती लोकप्रियता पाने से ज्यादा कुछ नहीं है। क्या सत्ता, क्या विपक्ष...सबको छपास और दिखलौट का रोग लग बैठा है।

सांसद जी! आपको टॉयलेट साफ करना शोभा नहीं देता

रीवा सांसद जर्नादन मिश्रा देवतालाब विधानसभा क्षेत्र के डूंडा गांव पहुंचे थे। इस बीच उन्होंने गांव के एक घर के शौचालय में गंदगी

देखी। टॉयलेट में फैली गंदगी सांसद मिश्रा को नागवार गुजरी। फिर क्या था, उन्होंने झाड़ू उठाई और सफाई में जुट गए। बिना ग्लब्ज पहने उन्होंने ब्रश से टॉयलेट भी साफ किया। ये कोई पहला मामला नहीं था। सांसद मिश्रा इससे पहले भी अपने टॉयलेट साफ करने के अंदाज को लेकर सुर्खियां बटोर चुके हैं। सवाल यही है कि सांसद महोदय को टॉयलेट साफ करने की जरूरत क्या है और फिर मान लें कि आप वास्तव में भी बेहद जागरुक हैं तो यूं वीडियो बनवाने की क्या जरूरत है। सांसद जी का ये जतन सस्ती लोकप्रियता बटोरने से ज्यादा कुछ नहीं है।

मंत्री जी! जश्न के तो और भी तरीके थे...यूं क्यों निकले

अब आते हैं मंत्री जी पर। मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग भी अपने नित नए सोशल मीडिया स्टंट्स से चर्चाओं में रहते हैं। ताजा मामला 29 जून का है। भारत ने टी-20 विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका को मात दी। निश्चित तौर पर पूरे देश के लिए यह बड़ा जश्न था। हर कोई झूम रहा था। आतिशबाजी हो रही थी। अब ऐसे में खेल मंत्री विश्वास सारंग कहां पीछे रहने वाले थे। मंत्री जी कार के बोनट पर सवार हुए और तिरंगा लहराते हुए सड़कों पर फर्राटा भरते रहे। बाकायदा इस पूरे सीन को फिल्माया जा रहा था। वीडियो में देखा जा सकता है कि बिना सुरक्षा के रफ्तार के साथ दौड़ रही कार के बोनट पर सवार होकर मंत्री जी जश्न मना रहे थे। अब मान लीजिए कोई आम आदमी ऐसा कुछ करता तो टीआई साहब उसकी खटिया खड़ी कर देते। अब सारंग साहब तो मंत्री थे, उनका कोई क्या बिगाड़ पाता।

डीएसपी को सोशल मीडिया का रोग लगा

अब तीसरी दास्तां डीएसपी संतोष पटेल की है। पटेल ग्वालियर के बेहट थाना में पदस्थ हैं। उनके सोशल मीडिया हैंडल्स देखें जाएं तो लगता ऐसा कि डीएसपी साहब पुलिस की नौकरी कम और अपने सोशल नौकरी ज्यादा करते हैं। कितना अजीब है कि साहब जहां जा रहे होते हैं, वहां का तुरत-फुरत वीडियो बन जाता है। अब ये कैसे बनता है, सबको पता है कि आधे मामलों में तो सब कुछ प्लान होता है। सच ये भी है कि डीएसपी पटेल कुछ अच्छे सामाजिक काम भी करते हैं, लेकिन ज्यादातर प्री प्लान ही होते हैं। उनका ताजा वीडियो पिछले दिनों ग्वालियर अंचल में हुई बारिश का वायरल हो रहा है। पुलिया पर बाढ़ का पानी था। वहां बाइक से दो युवक पहुंचे। डीएसपी पटेल ने उन्हें मजाकिया अंदाज में समझाया, पर युवक नहीं माने और पुलिया पार कर गए। इस बातचीत में हंसी ठट्ठा से ज्यादा कुछ नहीं था।

इस फेहरिस्त में कई और भी नाम

ये जिम्मेदार यह समझना ही नहीं चाहते कि जब आप पब्लिक फिगर होते हैं तो आपके काम, आपका आचरण अनुकरणीय और अनुसरणीय होता है। मतलब आम जनमानस इन्हें फॉलो करता है। ऐसी क्या मुसीबत आन पड़ती है कि सांसद मिश्रा को अपने हाथ से मैला उठाना पड़ता है। मंत्री जी के जश्न मनाने का तरीका क्या दूसरा नहीं हो सकता। डीएसपी के निश्चित तौर पर कुछ अच्छे सामाजिक काम हो सकते हैं, लेकिन यूं अलग-अलग फॉर्मेट में वीडियो बनवाने की क्या जरूरत है। सही मायनों में इन सब जिम्मेदारों के ये काम सस्ती लोकप्रियता से ज्यादा कुछ नहीं हैं। इस फेहरिस्त में द सूत्र ने इन तीन हस्तियों के नाम और उनके वीडियो का जिक्र सिर्फ इसलिए किया है कि क्योंकि ये हाल के दिनों के हैं। द सूत्र।

खाद्य पदार्थों की पैकिंग के नए निर्देश

राकेश दुबे

देश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने फिर से अपने वे निर्देश दोहराए हैं, जो नागरिकों के हित में हैं। इस बार निर्देश दिया है कि खाद्य पदार्थों की पैकिंग पर पोषण से संबंधित जानकारी बड़े अक्षरों में दी जानी चाहिए। इससे ग्राहकों को खरीद के समय उचित निर्णय करने में मदद मिलेगी।

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता तथा ग्राहकों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। खाने-पीने की चीजों में चीनी, नमक, वसा जैसे तत्वों की अधिकता कई बीमारियों की वजह बन रही है। किसी वस्तु में क्या सामग्री इस्तेमाल की गयी है और उससे कितना पोषण मिल रहा है, ऐसी सूचनाओं को आम तौर पर इतने महीन अक्षरों में छापा जाता है कि लोगों का ध्यान ही नहीं जाता। हमारे देश में डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, एलर्जी जैसी स्वास्थ्य समस्याओं में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। लोग चीनी, नमक, वसा आदि के उपभोग को लेकर सचेत भी हो रहे हैं।

सर्व विदित है कि अधिक कैलोरी लेना मोटापे और दिल की बीमारियों का कारण बन सकता है। अगर खाद्य पदार्थ के बारे में ठीक से सूचना मुहैया करायी जायेगी, तो लोग संभावित नुकसान से बच सकेंगे। कुछ समय से सरकार ने पोषण और स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार के लिए अनेक कदम उठाये हैं। नये खाद्य निर्देशों को उसी कड़ी में देखा जाना चाहिए।

हाल ही में केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने आयुर्वेदिक, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथिक दवाएं बनाने वाली कंपनियों को चेतावनी दी थी कि वे भ्रामक विज्ञापन न दें और दवाओं के प्रभाव के संबंध में निराधार दावे न करें। कई दवा उत्पादों पर 'सौ फीसदी सुरक्षित', 'स्थायी उपचार', 'पूर्णतः शाकाहारी उत्पाद' या 'मंत्रालय द्वारा स्वीकृत' जैसी भ्रामक बातें लिखी होती हैं। बहुत से उत्पादों पर तो उनमें प्रयुक्त वस्तुओं का पूरा विवरण भी नहीं दिया जाता। बड़े शहरों में कई ऐसे रेस्तरां हैं, जहां खाद्य विभाग के निर्देशों की अनदेखी के मामले सामने आये हैं। इस बारे में भी सरकार द्वारा कड़ी कार्रवाई अपेक्षित है।

उल्लेखनीय है कि अप्रैल में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने ई-कॉमर्स कंपनियों को अपने एप और वेबसाइट से 'हेल्थ ड्रिंक्स' श्रेणी से सभी पेय उत्पादों को हटाने का निर्देश दिया था। उसी माह भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने ई-कॉमर्स कंपनियों को निर्देश दिया था कि वे खाद्य उत्पादों का समुचित श्रेणीकरण सुनिश्चित करें। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 में 'स्वास्थ्य पेय' जैसी किसी श्रेणी को परिभाषित नहीं किया गया है। चिकित्सक सलाह देते रहते हैं कि खाद्य पदार्थ खरीदने या खाने से पहले उसमें इस्तेमाल चीजों, कैलोरी आदि के बारे में पड़ताल करनी चाहिए। नये निर्देशों से ऐसा करने में सहूलियत होगी।

बिहार: गलती किसी की हो, अपराधी पुल ही होगा...!

अजय बोकिल

पता नहीं बिहार के ही एक जाने माने कवि आलोक रंजन को अपने गृह राज्य में पुलों के धड़ाधड़ गिरने का पूर्वाभास था या नहीं, परंतु टूटे हुए पुल नामक उनकी कविता की ये कुछ पंक्तियां बहुत मौजूं हो उठी हैं-

स्थानीय लोग टूटे हुए
पुल को भी घेर कर खड़े थे
जैसे पुल एक चोटिल अपराधी हो
और दर्द निजाते ही भाग जाएगा...
न पुल टूटने का कोई प्रभाव है या रहेगा
न ही सूरज के डूबने का...
पुल पुराना था
अपनी इस गत का इंतिज़ार करता
उस के ऊपर ही वह पुल था
जिसने बहुत पहले ही एहसास दिला दिया था कि
मियाँ दिन पूरे हुए...

वैसे तो इन दिनो देश में घटिया और जल्दबाजी में किए गए निर्माणों तथा उनके उद्घाटनों की राजनीतिक जल्दबाजी के चलते पुलों, इमारतों, छज्जों के गिरने, ध्वस्त होने और ऐसे अप्रत्याशित हादसों में जान गंवाने की घटनाएं अचानक से बढ़ गई हैं, लेकिन बिहार में जिस तरह एक माह से भी कम समय में विभिन्न नदी-नालों पर बने 13 पुल पुलिया गिरी हैं या गिर रही है, वह यही साबित करता है कि राज्य भ्रष्टाचार के पुल असली पुलों के मुकाबिल बहुत ज्यादा मजबूत हैं। ऐसे पुल, जिनके ध्वस्त होते जाने को लेकर किसी के माथे पर खास शिकन नहीं है। यानी पुल ही तो था, जो गिर गया। अब क्या करें का भाव।

इसको लेकर मीडिया में बहुत हल्ला हुआ तो राज्य की नीतीश सरकार ने 15 इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया। ठेकेदारों पर कार्रवाई की बात भी कही जा रही है। चूंकि बिहार में नीतीश सरकार कपड़ों की मानिंद अपना आवरण बदलती है, इसलिए सभी पार्टियां घटिया पुल निर्माण के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार बता रही हैं। इसमें भी यह सावधानी बरती जा रही है कि उसी पुल के बारे में सरकार को कटघरे में खड़ा किया जाए, जिस वक्त आरोपी पार्टी सत्ता में रही हो।

इस बीच राज्य सरकार ने गिरे हुए पुलों को फिर से बनाने का आदेश दे दिया है। बने अथवा निर्माणाधीन पुल क्यों गिर गए, इसकी जांच-वांच चलती रहेगी। मजबूर बिहारवासी फिर नावों के सहारे या तैर कर नदियां पार कर रहे हैं और अपनी किस्मत को कोस रहे हैं। दूसरी तरफ गैर बिहारवासियों के मन में खौफ समा गया है बिहार से गुजरता खतरे से खाली नहीं है। न जाने कौन सा पुल कब धंस जाए और कोई यात्रा अंतिम यात्रा में बदल जाए।

इस देश में प्राकृतिक आपदा, घटिया निर्माण, गलत डिजाइन आदि के चलते पुलों, भवनों का गिरना कोई नई बात नहीं है। दूसरे राज्यों में भी ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। क्योंकि निर्माण के हर टेंडर में भ्रष्टाचार एक अलिखित लेकिन अनिवार्य शर्त होती है, जो सार्वजनीन है। फर्क सिर्फ इतना होता है कई जगह भ्रष्टाचार और कमीशनबाजी की लक्ष्मण रेखा के परे एक लोकलाज की अदृश्य रेखा भी होती है, जिसे ध्यान में रखकर इतनी सावधानी बरतने की कोशिश होती है कि सिर मुंडाते ही ओले न पड़ जाएं। ऐसे में बहुत सी इमारते और पुल निर्माण के कुछ बरस बाद टूटकर व्यवस्था पर भरोसा कायम रखते हैं।

टूटने या गिरने की स्थिति में उनके उम्रदराज होने का वाजिब कारण बताया जा सकता है। अलबत्ता बिहार में जो पुल गिरे हैं, वो तो बाल्यावस्था से लेकर जवानी में ही दम तोड़ रहे हैं। ऐसी इक्का-दुक्का घटनाएं पहले भी होती रही हैं, लेकिन पुल ध्वस्तीकरण का यह अटूट सिलसिला राज्य में पिछले माह 18 जून से शुरू हुआ, जहां 7 जुलाई तक 13 पुल दम तोड़ चुके थे। टूटने वाली तेरहवीं एक पुलिया है। इस क्रम में गिरने वाला पहला पुल राज्य के अररिया जिले के सिकटी प्रखंड में था। इसके भी पहले इसी साल मार्च के महीने में सुपौल ज़िले में कोसी नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिरा था। इस हादसे में एक मज़दूर की मौत हो गई थी, जबकि 10 अन्य घायल हुए थे। इसी तरह बिहार में पिछले साल गंगा नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिर गया था। यह पुल क़रीब 1 हजार 717 करोड़ की लागत से भागलपुर ज़िले के सुल्तानगंज और खगड़िया ज़िले के अगुवानी नाम की जगह के बीच बन रहा था। पुल गिरने की इस तस्वीर को बड़ी संख्या में लोगों ने सोशल मीडिया पर साझा किया था और सरकार ने जांच के आदेश भी दिए थे। आगे क्या हुआ किसी को नहीं पता।

यूं भारत में पुलों के बनने और उनके गिरते जाने का अपना इतिहास है, जो देश के सामाजिक और राजनीतिक ताने- बाने के बनने और बिगड़ने के समांतर निर्विकार भाव से चलता रहता है। यह भी हकीकत है कि आज देश में कई पुल ऐसे भी हैं, जो अंगरेजों के जमाने के हैं, लेकिन उम्र ढलने के बाद भी यातायात का बोझा ढो रहे हैं। पुल ध्वस्तीकरण की बात करें तो आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक भारत में 2012 से 2022 के बीच 285 पुल ध्वस्त हुए, जिसमें 2022 गुजरात के मोरबी में मच्छु नदी पर बना पुल टूटने से 141 लोगों की मौत का भीषण हादसा भी शामिल है।

यूं पुल निर्माण में जोड़ने का भाव निहित है। दूरियां कम करके यातायात और सामाजिक आर्थिक संपर्कों को सुगम बनाने का उपक्रम है। पुल अपने आप में रचनात्मकता और सौहार्द का प्रतीक हैं। नार्वे के नोबेल विजेता वैज्ञानिक और मानवतावादी फ्रिजॉफ नानसेन ने कहा था कि मैं अपने पीछे उस पुल को ढहा दूंगा ताकि आगे बढ़ने के अलावा कोई रास्ता न बचे। यानी पुल पीछे लौटने का नहीं, आगे बढ़ने का रास्ता है। लेकिन भारत में पुल देश को पीछे भी ले जाते हैं। हमारे यहां मानो पुल की परिभाषा केवल रेत सीमेंट की ऐसी संरचनाओंसे है, जिसकी आत्मा को करप्शन ने पहले ही लील लिया होता है।

पुल आखिर गिर क्यों जाते हैं? विशेषज्ञ इसका पहला कारण तो प्राकृतिक आपदा को मानते हैं, जिसके आगे इंसान का कोई बस नहीं। इसे अलग रखें तो गलत डिजाइन,

लापरवाही, उम्र से ज्यादा समय तक इस्तेमाल, प्राकृतिक आपदा, घटिया सामग्री का इस्तेमाल, ओवर लोडिंग या फिर मानव निर्मित आपदाएं जैसे कि बेजा रेत खनन या लापरवाही से किया गया नदी का गहरीकरण, नदी की प्रकृति की अनदेखी आदि। वैसे भारत में एक पुल की औसत आयु 34.5 साल मानी गई है। लेकिन हमारे यहां पुलों की शिशु मृत्यु दर भी कम नहीं है।

यहां तर्क दिया जा सकता है कि भारत मेंं जतनी बड़ी तादाद में पुल-पुलिया बने हैं, उनके अनुपात में गिरने वाले पुल- पुलियाओं की संख्या बहुत कम है। अगर भारतीय पुल प्रबंध प्रणाली (आईबीएमएस) के आंकड़ों को देखें तो भारत में नेशनल हाइवे पर कुल 1 लाख 17 हजार 517 पुल- पुलिया हैं। इनमे 30 फीसदी पुलिया, 15 फीसदी छोटे पुल 8.1 प्रतिशत बड़े पुल तथा 5 फीसदी ज्यादा लंबे पुल खराब हालत में हैं। जबकि इनमें से असमय गिरने वाले पुलों की संख्या बहुत कम है।

लिहाजा भारत को 'गिरते पुलों का देश' कहना ठीक नहीं है। पर इसी के साथ यह सवाल भी नत्थी है कि पुलो के गिरने में बिहार ही 'देश की राजधानी' क्यों बना हुआ है? इसके निश्चित कारण शायद किसी जांच रिपोर्ट में सामने आएं, लेकिन एक बात मोटे तौर पर साफ है, वह है राज्य में गुणवत्ता की जगह कम लागत पर जोर। कम लागत में से भी जरूरी कमीशन को और कम कर दें तो निर्माण पर होने वाला वास्तविक खर्च खुद ब खुद समझ में आ जाएगा। स्वयं को गरीब और पिछड़ा राज्य कहलाने और उसी खुमारी में जीते रहने का यह आत्मसंतोषी बहाना है। यानी लोगों की जान और टिकाऊपन से ज्यादा अहम है सस्ता होना।

अगर यही फार्मूला हकीकत है तो 'सस्ता रोए बार बार' वाली कहावत यूं ही नहीं बनी है। बिहार में इतने पुलों के गिरने के बाद भी वहां यह कोई बड़ा राजनीतिक- सामाजिक मुद्दा बनेगा, इसकी कोई संभावना नहीं है। क्योंकि जातिवाद और आरक्षण के आगे वहां सब कुछ गौण है। नीतीश कुमार और उनकी पार्टी चूंकि अब फिर भाजपा के साथ है, इसलिए गिरे पुलों के पुनर्निर्माण के लिए उन्हें केन्द्र से पैसा भी आसानी से मिल जाएगा। उनमें से कुछ पुल फिर गिरेंगे और फिर बनेंगे। यह क्रम चलता रहेगा।

कुल मिलाकर बिहार पुल की स्थापित परिभाषा को अपने हिसाब से बदलता रहेगा। दूसरी तरफ बिहार की जनता टूटते पुलों के बीच अपना वजूद बचाने के लिए संघर्ष करती रहेगी। गलती किसी की भी हो, अपराधी पुल ही होगा। किसी शायर ने ठीक ही कहा है- सुना है तारीफों के पुल के नीचे, मतलब की नदी बहती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

तेज रफ्तार यात्री बस पलटी, दो दर्जन से अधिक यात्री हुए घायल

औबेदु ल्लागंज। गुरुवार को 34 मील के पास तेज रफ्तार यात्री बस पलटने से करीब दो दर्जन यात्रियों के घायल होने के समाचार हैं उक्त बस भोपाल से बरेली की ओर जा रही थी प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि बस की रफ्तार तेज थी जिसके चलते यह हादसा घटित हुआ जैसे ही बस पलटने की सूचना प्राप्त हुई गौहरगंज एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव घटनास्थल पर पहुंचे घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचा है औबेदुल्लागंज मंडीदीप की एम्बुलेंस मौके पर पहुंची जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस ने भी मोर्चा संभाला और घायलों को निकाल कर नजदीकी औबेदुल्लागंज शासकीय अस्पताल पहुंचाया। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार बस में करीब 55 यात्री सवार थे जिसमें से करीब 41 यात्री गंभीर रूप से घायल बताये जा रहे हैं वहीं करीब आधा दर्जन यात्रियों के अंग भंग होने के भी समाचार है अति गंभीर यात्रियों को एंबुलेंस की मदद से भोपाल रेफर किया गया है वही मंडीदीप, औबेदुल्लागंज, गोहरगंज, बरखेड़ा के डॉक्टरों ने घायलों को उपचार कर भोपाल रेफर किया

पुलिस ने एक पेड मां के नाम अभियान के तहत में किया दो हजार वृक्षारोपण

सांध्य प्रकाश बैतूल । पुलिस मुख्यालय भोपाल के प्राप्त निर्देशो के पालन मे जिला पुलिस बैतूल द्वारा एक पेड मां के नाम अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक कार्यालय बैतूल पुलिस लाइन एंव जिले के समस्त पुलिस थानो द्वारा पौधारोपण किया गया इस अवसर पर गंज थाना प्रभारी रविकांत डहेरिया ने कहा कि पेड़ हमारे पारिस्थितिकी तंत्र की नींव है। जो हमें स्वच्छ हवा प्रदान करते है। तापमान को नियंत्रित करते है। बल्कि मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। आज पेड़ लगाकर हम न केवल अपने आस-पास के वातावरण को सुंदर बना रहे हैं। बल्कि पर्यावरण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ये पेड़ हमारे ग्रह के संरक्षक बनेंगे। जो आने वाली पीढ़ियों को वही लाभ प्रदान करेंगे जो हम आज प्राप्त कर रहे हैं। आइए हाथ मिलाएँ और इस वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाएँ। याद रखें लगाया गया हर पेड़ एक स्वस्थ और खुशहाल ग्रह की ओर एक कदम है। कार्यक्रम दौरान पुलिस लाईन के समस्त परिवारों थाना कोतवाली स्टाफ एवं पुलिस परिवार थाना यातायात महिला थाना थाना अजाक एंव पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पुलिस अधिकारी / कर्मचारी एंव उनके परिवार के सदस्यो द्वारा परिसर में एक पेड मां के नाम अभियान के अंतर्गत जिले में कुल 2000 पौधे लगाये गए। प्रोजेक्टर के माध्यम से 5श्शद्व द्वद्गद्गह्ल पर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सभी थानो से संपर्क कर वृक्षारोपण की जानकारी ली गई है ।

भाजपा द्वारा जिला कार्यसमिति की बैठक की गई

मण्डला--भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के मार्गदर्शन में 11 जुलाई को दोपहर 12 बजे से भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय मण्डला में जिला कार्यसमिति की बैठक आयोजित की गयी। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिले की विभिन्न विषयों कार्यक्रमों आयोजनों पर विशेष चर्चा के साथ-साथ संगठनात्मक विषयों पर भी संवाद किया गया।भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुधीर कसार ने बताया कि इस बैठक में सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति सदस्य, पूर्व जिलाध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष, मोर्चा प्रकोष्ठ के प्रदेश पदाधिकारी, अध्यक्ष, संयोजक, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्य, जनपद अध्यक्ष, नगरपालिका एवं नगरपरिषद के अध्यक्ष उपस्थित हुए। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री भीष्म द्विवेदी ने बैठक में अपेक्षित सभी सम्मानीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण से जिला कार्यसमिति बैठक में शामिल होने आग्रह किया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुधीर कसार ने बताया कि मण्डला लोकसभा सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री फग्गनसिंह कुलस्ते का भी 11 जुलाई को मंडला आगमन हुआ। श्री कुलस्ते ग्राम जेवरा से प्रातः 10 बजे प्रस्थान कर 11 बजे मण्डला पहुंचे। यहां भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में आयोजित जिला कार्यसमिति की बैठक में शामिल हुए तथा स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ-साथ जनचर्चा किया गया तथा नगर के विभिन्न स्थानीय कार्यक्रम में शामिल हुए एवं रात्रि में अपने गृह ग्राम जेवरा के लिए प्रस्थान किया गया।

पूर्व अग्निवीरों को CISF-BSF में मिलेगा आरक्षण, आयु सीमा और फिजिकल टेस्ट में भी छूट

भारत सरकार ने पूर्व अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणा की है। इसमें सीआईएसएफ और बीएसएफ में 10 फीसदी सीटें पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षित रहेंगी। सीआईएसएफ और बीएसएफ के प्रमुखों ने गुरुवार, 11 जुलाई को इसका ऐलान किया...

Agniveer Reservations ¬सीआईएसएफ और बीएसएफ के प्रमुखों ने घोषणा की है पूर्व अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणा की गई है, जिसके तहत सीआईएसएफ और बीएसएफ में 10 फीसदी सीटें उनके लिए आरक्षित रहेंगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के फैसले के अनुरूप ष्टढ्ढस्स्न और क्चस्स्न कांस्टेबलों के 10 फीसदी पद पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षित किए जाएंगे। सीआईएसएफ महानिदेशक नीना सिंह ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पूर्व अग्निवीरों की भर्ती के संबंध में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जिसके तहत सीआईएसएफ भी पूर्व अग्निवीरों की भर्ती की प्रक्रिया तैयार कर रहा है।

आयु सीमा में भी रहेगी छूट

उन्होंने कहा कि भविष्य में कांस्टेबलों की सभी नियुक्तियों में पूर्व अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत नौकरियां आरक्षित की जाएंगी। साथ ही शारीरिक परीक्षणों में भी उन्हें उम्र में छूट दी जाएगी। पहले वर्ष में आयु में छूट पांच साल के लिए है और अगले वर्ष में आयु में तीन साल की छूट होगी। सीआईएसएफ प्रमुख ने कहा, %पूर्व अग्निवीर इसका लाभ उठा सकेंगे और सीआईएसएफ यह सुनिश्चित करेगा। यह सीआईएसएफ के लिए भी फायदेमंद होगा, क्योंकि बल को प्रशिक्षित और अनुशासित कर्मी मिलेंगे।

बीएसएफ के महानिदेशक नितिन अग्रवाल ने बताया कि उन्हें चार साल का अनुभव मिला है। वे पूरी तरह से अनुशासित और प्रशिक्षित कर्मी हैं। यह बीएसएफ के लिए बहुत अच्छा है क्योंकि हमें प्रशिक्षित सैनिक मिल रहे हैं। संक्षिप्त प्रशिक्षण के बाद उन्हें सीमा पर तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व अग्निवीरों की भर्ती से सभी सुरक्षा बलों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि हम उनकी तैनाती का इंतजार कर रहे हैं। प्रशिक्षण देने के बाद उन्हें तैनात किया जाएगा। कुल रिक्तियों में से 10 प्रतिशत उनके लिए आरक्षित होंगे। उनके लिए आयु में भी छूट होगी। पहले बैच को पांच साल की छूट मिलेगी और बाद के बैच को तीन साल की छूट मिलेगी।

जून 2022 से शुरू की थी अग्निपथ योजना

भारत सरकार ने जून 2022 में आर्मी, नेवी और एयरफोर्स, तीनों सेवाओं की आयु प्रोफाइल को कम करने के उद्देश्य से अग्निपथ भर्ती योजना शुरू की थी। अग्निपथ योजना साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं को चार साल के लिए भर्ती की जाती है, जिसमें से 25 प्रतिशत जवानों की सेवा 15 वर्षों के लिए लिए बरकरार रखे जाने का प्रावधान है।

विपक्षी दलों के सवाल, 75 प्रतिशत का क्या होगा

कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल ने इस योजना को लेकर सरकार पर निशाना साधा है कि चार साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद 75 प्रतिशत अग्निवीरों का क्या होगा, क्योंकि कुल भर्तियों में से केवल 25 प्रतिशत को ही 15 वर्षों के लिए बरकरार रखा जाएगा। इधर, विभिन्न केंद्रीय सरकारी एजेंसियों और विभागों ने पहले ही पूर्व अग्निवीरों की भर्ती की योजना की घोषणा कर दी है।

वृक्षारोपण अभियान को जन आंदोलन बनाना होगाः उप-मुख्यमंत्री शुक्ल

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया वृक्षारोपण

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मैहर और रीवा प्रवास के दौरान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत विभिन्न वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए और पौधारोपण किया। उन्होंने आम नागरिकों से पौधारोपण अभियान में सहभागी बनने और पेड़ पौधों का संरक्षण करने की अपील की है। उप-मुख्यमंत्री ने मैहर और रीवा की पुलिस लाइन, कलेक्ट्रेट परिसर रीवा में पौधारोपण किया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों और आमजन ने भी पौधारोपण किया।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि पेड़ बैठे हुए संत के समान हैं तथा संत चलते-फिरते पेड़ हैं। जिस प्रकार पेड़ हमें छाया, फल तथा ऑक्सीजन आदि देते हैं उसी प्रकार संत से भी हमें अपनी वांछित मनोकामना प्राप्त होती है। श्री शुक्ल ने कहा कि पेड़ कुछ माँगता नहीं है वह चाहता है कि शोषण नहीं वरन उसका दोहन हो। एक पेड़ माँ के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम है। ग्लोबल वार्मिंग व क्लाइमेट चेंज जैसी समस्या से निदान का एक मात्र उपाय ही वृक्षारोपण है। वृक्ष धरती का श्रृंगार है। जहाँ घने पेड़ होते हैं वहाँ की सुंदरता भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण अभियान को जन आंदोलन बनाना होगा। माँ शारदा से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की

उप-मुख्यमन्त्री ने कहा कि रीवा में ढाई लाख पौधे लगाए जा रहे हैं। साथ ही रीवा शहर में 25 हजार पौधे लगाकर इसे हरा-भरा बनाया जा रहा है। रीवा में अधोसंरचना विकास के साथ पर्यावरण से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं जो भावी पीढ़ी के लिए सौगात है। उन्होंने आमजनों से इस अभियान में जुड़ने की अपील की। मैहर प्रवास के दौरान उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने माँ शारदा का पूजन किया और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

जनसंख्या स्थिरता जागरूकता रथ को दिखाई हरी झण्डी : विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कलेक्ट्रेट परिसर रीवा में जनसंख्या स्थिरता जागरूकता रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। श्री शुक्ल ने रथ के साथ चलकर जनसंख्या स्थिरीकरण का भी संदेश दिया।35 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति वर्ष में एक बार स्वास्थ्य की जाँच करायें - उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

स्वस्थ रीवा, समृद्ध रीवा अभियान की समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में स्वस्थ रीवा, समृद्ध रीवा अभियान की समीक्षा की। उन्होंने जिले में आयोजित विशेष शिविरों में चिन्हित रोगियों के उपचार का फॉलोअप लिया। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जाँच केन्द्रों में संबंधित की रिपोर्ट को नियत समय पर उपलब्ध करायें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के आमजनों के स्वास्थ्य परीक्षण में किसी भी प्रकार की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के सभी स्वास्थ्य केन्द्र व्यवस्थित रूप से चलें इसकी ज़िम्मेदारी संबंधित बीएमओ तथा सीमएचओ की है। उन्होंने सगरा, भिटवा, भटलो में स्वास्थ्य व्यवस्था ठीक न होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की तथा कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के 35 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को वर्ष में एक बार अपने स्वास्थ्य की जाँच कराने के लिए प्रेरित करने हेतु जागरूकता अभियान चलाएं। ताकि बीमारियों का समय से चिन्हांकन कर समुचित उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

रोड के लिए ग्रामीण परेशान, 3 किलोमीटर रोड पर जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ है

औबेदुल्लागंज । भोजपुर विधानसभा की ग्राम पंचायत गौतमपुर कॉलोनी की सड़क मध्यप्रदेश की राजधानी से महज 40 किलोमीटर दूर है गाँव और गाँव के मुख्यमार्ग की स्थिति ऐसी हैकि आप पैदल भी नही चल सकते है 3 किलोमीटर के रोड पर जगह जगह गड्ढे और कीचड़ है। इसी को लेकर विगत तीन दिन पहले ग्रामवासियों ने ओबेदुल्लागंज पहुँचकर तहसील कार्यालय पर रोड को लेकर ज्ञापन दिया था।और तीन दिन का समय दिया था कि रोड पर कोपरा डाला जाएँ जिससे ग्रामवासी रोड पर से निकल सकें।जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस परेश नागर ने गाँव जाकर मौके पर नायब तहसीलदार,पटवारी मेडम को बुलाकर ग्रामवासियों के साथ चर्चा की। नायब तहसीलदार ने आस्वासन दिया हैं कि 2 दिन में रोड का सर्वे कराकर काम शुरू कर दिया जाएगा।

शिक्षकों की कठिनाइयों को दूर करने का कार्य सरकार कर रही हैः उप-मुख्यमंत्री शुक्ल

3 हज़ार 167 प्राथमिक शिक्षकों को क्रमोन्नति आदेश किए प्रदान

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मार्तण्ड क्रमांक-एक रीवा में नवनिर्मित प्रवेश द्वार का लोकार्पण किया। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कार्यक्रम में 3 हज़ार 167 प्राथमिक शिक्षकों को प्रथम एवं द्वितीय क्रमोन्नति के आदेश प्रदान किए। उप मुख्यमंत्री ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। समारोह में अध्यापक शिक्षक संघ संयुक्त मोर्चा ने उप-मुख्यमंत्री को गजमाला, स्मृति चिन्ह तथा मानपत्र देकर सम्मानित किया।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा हमेशा से शिक्षा का बहुत बड़ा केन्द्र रहा है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करके रीवा को पुन¬ शिक्षा का हब बनाएंगे। उन्होंने कहा कि आज शिक्षकों की लंबित माँग पूरी हुई है। शीघ्र ही माध्यमिक शिक्षकों की भी क्रमोन्नति के आदेश शासन द्वारा जारी किए जाएंगे। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शिक्षकों से आह्वान किया कि बच्चों को उचित शिक्षा, संस्कार और मार्गदर्शन देकर उन्हें देश का जिम्मेदार नागरिक बनायें। शिक्षक और गुरू सदैव से समाज और देश को दिशा देते रहे हैं। उनकी कठिनाईयों को दूर करने का कार्य सरकार कर रही है। हमारी सरकार ने गुरूजी, शिक्षाकर्मी जैसी प्रथा को समाप्त कर दिया है। विभिन्न निकायों में पदस्थ शिक्षकों का लगातार प्रयास करने के बाद शिक्षा विभाग में संविलियन हुआ है।

सैनिक स्कूल के प्रवेश द्वार में किया पौधारोपण

उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सैनिक स्कूल के प्रवेश द्वार के समीप ÷एक पेड़ माँ के नाम अभियान÷ के तहत जामुन का पौधा रोपित किया।

विभिन्न निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण, समय सीमा में पूर्ण करने के दिये निर्देश

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल रीवा के नए विंग के निर्माण स्थल, निर्माणाधीन कैंसर यूनिट तथा डॉक्टरों के निर्माणाधीन आवासीय परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिये कि नए भवन के निर्माण में रोगियों की सुगमता का ध्यान रखा जाये। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि उपचार के लिए नवीनतम मशीन की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। भवन का निर्माण कार्य समय सीमा में पूरा कराएं जिससे रोगियों को उपचार सुविधा दी जा सके। उप मुख्यमंत्री ने मेडिकल कालोनी परिसर में बनाए जा रहे डॉक्टरों के आवासीय भवन परिसर की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में देरी सहन नहीं की जाएगी। नगर निगम के अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय, श्री राजेश पाण्डेय, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, मेडिकल कालेज के डीन डॉ सुनील अग्रवाल, अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा, सुपर स्पेशलिटी के अधीक्षक डॉ अक्षय श्रीवास्तव, लोक निर्माण विभाग पीआईयू के अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश की निजी स्कूल उड़ा रहे धज्जियां, पूरी फीस जमा करने की दे रहे धमकी

जबलपुर। जबलपुर के जिला कलेक्टर द्वारा शुरू की गई जांच में कार्रवाई के बाद जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जारी फीस निर्धारण और अवैध फीस लौटाने के आदेश को निजी स्कूल मानने को ही तैयार नहीं है...

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से अवैध फीस वसूली को वापस करने का आदेश जारी हुआ था तो अभिभावकों में खुशी की लहर दौड़ गई थी। पर कागजों पर जारी हुआ आदेश यह कागजों तक ही सीमित है। क्योंकि निजी स्कूल यह मानने को ही तैयार नहीं है कि उन्होंने अवैध फीस वसूली की है। अन्य निजी स्कूल तो दूर वह स्कूल भी इस आदेश को नहीं मान रहे हैं जो जांच के दायरे में आए है और उनके प्रिंसिपल से लेकर मैनेजमेंट के कर्मचारी तक अब भी जेल में बंद है।

अब भी मनमानी पर उतारू निजी स्कूल

जबलपुर शहर में निजी स्कूलों की मनमानी जैसे थमने का नाम ही नहीं ले रही है। स्कूलों के द्वारा अभिभावकों को यह मैसेज भेजे जा रहे हैं कि जल्द से जल्द पूरी फीस जमा करें अन्यथा उनके बच्चों को एग्जाम में बैठने नहीं दिया जाएगा। इसी के खिलाफ गुरुवार को बड़ी संख्या में अभिभावक पोली पाथर स्थित सेंट एलॉयसिस स्कूल पहुंचे और शासन के द्वारा नियत की गई फीस ही लेने का स्कूल प्रबन्धन से निवेदन किया। अभिभावकों के हंगामे को देखते हुए स्कूल के फादर ने उनका आवेदन तो स्वीकार कर लिया पर मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने साफ कहा कि हम अपनी फीस को अवैध फीस वसूली नहीं मानते और इसके खिलाफ हम कोर्ट में जाएंगे।

जबलपुर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के द्वारा जारी की गई सूची में नियत की गई फीस को भी मानने निजी स्कूल तैयार नहीं है। स्टेम फील्ड विजय नगर स्कूल के एक अभिभावक जिनका बच्चा 11वीं कक्षा में कॉमर्स विषय में पढ़ रहा है उन्होंने स्कूल की फीस रसीद %द सूत्%र को भेजी है। जिसमें स्कूल के द्वारा साल भर का 45 हजार रुपए अभिभावकों से वसूला जा रहा है, जबकि आदेश के अनुसार यह अधिकतम 40 हजार रुपए ही फीस ले सकते हैं। इसी तरह की शिकायतें अन्य स्कूलों से भी लगातार मिल रही हैं।

क्या है स्कूलों का बहाना

स्कूल प्रशासन का यह दावा है कि कलेक्टर के द्वारा की गई जांच में कोरोना काल को बेस ईयर मानकर उसके बाद बढ़ाई गई फीस को अवैध वसूली बताया जा रहा है। जबकि असलियत में इस जांच में साल 2018 से अब तक वसूली गई फीस की जांच हुई है। अगर सेंट अलॉयसिस स्कूल पोली पाथर के फादर एम. स्टेनलिन की माने तो यह साफ नजर आ रहा है कि सभी निजी स्कूल इस जांच को ही धता बता रहे हैं और इसके खिलाफ वह कोर्ट जाएंगे। क्योंकि अन्य सभी स्कूलों में भी यही हाल है कि अभिभावकों पर अब भी मनमानी फीस जमा करने का दबाव बनाया जा रहा है।

अब भी हो रही है भारी अवैध वसूली

जांच के दायरे में आए स्कूलों सहित अन्य स्कूलों के अभिभावकों ने भी %द सूत्र% को अपनी फीस की रसीदें भेजी है । जिसमें प्री नर्सरी जैसी छोटी कक्षा में भी हजारों रुपए की फीस वसूली जा रही है। अभिभावकों ने यह भी आरोप लगाए हैं कि अब भी स्कूल प्रशासन के द्वारा यूनिफॉर्म और किताबें विशेष दुकान से ही खरीदने का दबाव बनाया जा रहा है। शिक्षा माफिया के ऊपर हुई बड़ी कार्यवाही के बाद इंसाफ की आस लगाए बैठे अभिभावक अब मायूस होते हुए नजर आ रहे हैं।

अब अभिभावक कराएंगे स्नढ्डक्र

बीते दिनों जिला कलेक्टर स्कूल संचालकों की हुई बैठक में अपना विरोध दर्ज करने बड़ी संख्या में अभिभावक भी पहुंचे थे। अब इन अभिभावकों ने अपनी लड़ाई खुद लड़ने की ठान कर एक बहुत बड़ा एसोसिएशन भी बनाया है। पैरंट्स एसोसिएशन आफ मध्य प्रदेश के जरिए अभिभावकों का नेतृत्व कर रहे सचिन गुप्ता ने यह बताया कि आज सेंट अलॉयसिस के फादर के द्वारा दिए गए बयान पर हम शासन का आदेश न मानने की स्नढ्डक्रभी दर्ज कराएंगे। इसके साथ ही अभिभावक अब सड़कों पर उतरेंगे और अपने इंसाफ की लड़ाई खुद लड़ेंगे।

पुस्तक मेले के बाद अब लगेगा यूनिफार्म मेला

स्कूलों पर की गई कार्यवाही के ठीक बाद जबलपुर में पुस्तक मेला लगाया गया था। ताकि किताब विक्रेताओं की मनमानी पर लगाम लगाई जा सके। अब जबलपुर जिला कलेक्टर ने जानकारी देते हुए यह बताया कि जबलपुर में 27 से 31 जुलाई तक गारमेंट क्लस्टर मेला लगाया जाएगा जिसमें स्कूल की यूनिफॉर्म सहित जूते और बैग भी अभिभावक उचित मूल्य पर खरीद सकते हैं। इसके लिए सभी निजी स्कूलों से यह निवेदन किया गया है कि वह अपनी यूनिफॉर्म का सैंपल दें ताकि इससे जुड़े व्यापारी विद्यार्थियों की मांग के अनुसार यूनिफॉर्म उपलब्ध करा सके। 15 और 16 जुलाई को व्यापारी अपनी यूनिफॉर्म बैग और जूते के सैंपलों का प्रदर्शन भी करेंगे। इसके साथ ही जबलपुर जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना के द्वारा निजी स्कूलों से यह अनुरोध किया गया है कि इस क्लस्टर मेले के लगने तक किसी भी छात्र-छात्रा को स्कूल बैग यूनिफॉर्म या जूते खरीदने के लिए बाध्य न किया जाए।

लेकिन जब जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जारी किए गए आदेश को यह निजी स्कूल मानने को तैयार नहीं है। तो जिला कलेक्टर के द्वारा किए गए अनुरोध को यह कितना मानते हैं यह देखना होगा ।

Jio लाया सस्ते रिचार्ज, लॉन्च किए ये दो प्लान, कीमत जानकर आप हो जाएंगे खुश...

रिलायंस जियो देश में टेलीकॉम सेक्टर की सबसे बड़ी कंपनी है। अब छ्द्दश्थ ग्राहकों के लिए अच्छी खबर लेकर आई है। कंपनी ने अपने ग्राहकों को खुश करने के लिए धमाकेदार प्लान लॉन्च किए हैं। इन प्लान्स के फायदे जानने के लिए नीचे ये खबर पढ़ें...

जियो यूजर्स के लिए बड़ी खुशखबरी है। जियो अपने यूजर्स के लिए वैल्यू प्लान लेकर आया है। इन प्लान्स के साथ रिचार्ज करने पर यूजर्स को कम पैसे खर्च कर ज्यादा वैलिडिटी मिलेगी। जियो के इन 2 नए प्लान की कीमत 189 और 479 रुपए है।

रिलायंस जियो देश में टेलीकॉम सेक्टर की सबसे बड़ी कंपनी है। जियो के हाल की में लॉन्च हुए दो नए प्लान्स (189 और 479 रुपए) में जियो ग्राहकों को लंबी वैलिडिटी ऑफर कर रही है।

अब दोनों प्लान्स के बारे में जानिए...

189 रुपए का प्लान

189 रुपए के प्लान में यूजर्स को 28 दिनों की वैलिडिटी मिलेगी है। यूजर 28 दिन तक किसी भी नेटवर्क में अनलिमिटेड कॉलिंग कर सकता हैं। इसमें पूरी वैलिडिटी के लिए 300 स्स्र्स भी मिलते हैं। इस प्लान में आपको सिर्फ 2त्नक्कडेटा मिलता है। इसके अलावा सभी जियो टीवी, जियो सिनेमा और जियो क्लाउड का सब्सक्रिप्शन मिलेगा।

479 रुपए का प्लान

479 रुपए वाले नए प्लान में 84 दिनों की वैलिडिटी मिलेगी है। इसमें आपको अनलिमिटेड फ्री कॉलिंग मिलेगी। पूरी वैलिडिटी के लिए आपको 1000 स्स्र्स दिए जाते हैं। जियो के इस प्लान में 84 दिनों के लिए 6त्नक्कडेटा मिलता है। इसमें भी आपको जियो टीवी, जियो सिनेमा और जियो क्लाउड का फ्री सब्सक्रिप्शन मिलेगा।

जियो यूजर्स की टेंशन दूर ऐसे करें इन वैल्यू प्लान से रिचार्ज

जियो के ये प्लान आपको पेटीएम, फोनपे, गूगल पे जैसे प्लेटफार्म पर नहीं दिखेंगे। अगर आपको ये प्लान रिचार्ज करना है तो सबसे पहले आपको स्4 छ्द्दश्/ श्चश्च डाउनलोड करना होगा। ऐप डाउनलोड के बाद लॉगिन कर आप 189 और 479 रुपये वाले प्लान को रिचार्ज कर सकते हैं।

पहले जियो ने दिए था झटका

हाल की में जियो यूजर्स को नया झटका लगा था। कंपनी ने 149 और 179 के प्रीपेड रिचार्ज बंद कर दिए हैं। यानी अब जियो की सिम को एक्टिवेट रखना और भी महंगा हो गया है।

जिया का नया रिचार्ज प्लान

रिलायंस जियो का नया मिनिमम वैलिडिटी वाला रिचार्ज प्लान अब 189 रुपए का प्लान है। इसमें यूजर्स को 2त्नक्क मोबाइल डेटा, अनलिमिटेड कॉलिंग, 300 एसएमएस और जियो ऐप्स सब्सक्रिप्शन मिलता है। इसकी वैलिडिटी 28 दिन है।

सबसे सस्ता प्लान हुआ लॉन्च

जियो के 1 जीबी डेली डाटा प्लान 209 रुपए का है। इसमें आपको 22 दिनों की वैधता मिलती है और हर रोज 1 जीबी डाटा मिलेगा। इसके साथ ही अनलिमिटेड कॉलिंग और 100 एसएमएस भी दिए जा रहे हैं. इन सबके साथ आपको जियो ऐप बेनिफिट मुफ्त मिलेंगे।

पहले मिलते थे ये बेनिफिट्स

149 रुपए वाला प्लान- इस प्लान की कीमत 149 रुपए थी। वहीं, इस प्रीपेड रिचार्ज में 14 दिनों के लिए कुल 14त्नक्क डाटा मिलता था। यानी डेली आपको 1 जीबी इंटरनेट डाटा ऑफर किया जाता था।। प्लान के साथ जियो से किसी भी नेटवर्क पर अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग की सुविधा मिलती थी।

179 रुपए वाला प्लान- जियो के 1 जीबी डेली डाटा प्लान के लिए दूसरा ऑप्शन 179 रुपए का प्लान था। इसमें आपको 18 दिनों की वैधता मिलती थी और हर रोज 1 जीबी डाटा का लाभ मिलता था। यानी कि 18 दिनों में आपको 18जीबी डाटा मिलता था। इसके साथ ही अनलिमिटेड कॉलिंग और 100 एसएमएस भी दिए जा रहे थे। इन सबके साथ आपको जियो ऐप बेनिफिट मुफ्त मिलता था।

जियो का यूजर्स को पहला झटका

जियो ने इससे पहले सभी तरह के प्लान की दरों में साढ़े 12 से 25 परसेंट तक का इजाफा किया था। जियो ने कुल मिलाकर 17 प्रीपेड और 2 पोस्ट पेड प्लान की दरें बढ़ाई थी। कंपनी लगभग ढाई साल के बाद मोबाइल सेवा दरों में बढ़ोतरी की थी। कंपनी ने लगभग ढाई साल के बाद मोबाइल सेवा दरों में बढ़ोतरी की थी। इसके साथ ही कंपनी ने 5त्र का नया प्लान भी जारी किया है। दो नई सर्विस भी लॉन्च की हैं।

अब इतने दाम

अब यूजर्स को जियो के 28 दिन वाले 155 रुपए के प्लान के लिए 189 रुपए, 209 रुपए के प्लान के लिए 249 रुपए, 239 रुपए वाले प्लान के लिए 299 रुपए, 299 रुपए वाले प्लान के लिए 349 रुपए, 349 रुपए वाले प्लान के लिए 399 रुपए और 399 रुपए वाले प्लान के लिए 449 रुपये खर्च करने होंगे। इस तरह से कंपनी रिचार्ज प्लान की दर में 20 से 22 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है।

जियो अब अपने 56 दिन वाले 479 और 533 रुपए वाले रिचार्ज प्लान के लिए यूजर्स से क्रमशः 579 और 629 रुपए ले रही है। 84 दिन वाले 395 रुपए, 666, 719 और 999 रुपए वाले रिचार्ज प्लान के लिए कंपनी अब यूजर्स से क्रमशः 479 रुपए, 799, 859 और 1199 रुपए ले रही है। अब यूजर्स को जियो के 336 दिनों वाले एनुअल प्लान के लिए 1559 की जगह 1899 रुपए खर्च करने पड़ रहे है। अब यूजर्स को 365 दिनों वाले 2999 रुपए वाले प्लान के लिए 3599 रुपए देने पड़ रहे है।

भोपाल की युवा बिज़नेस वुमन स्नेह निगम को मिला वुमन एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर अवार्ड

स्टार्टअप माइंडकैफ़े मेंटल हेल्थ पर करता है कार्य

भोपाल। हाल ही में भोपाल की एक युवा बिज़नेस वुमन, सुश्री स्नेह निगम को दिल्ली के भारत मंडपम, प्रगति मैदान में आयोजित एशिया के सबसे बड़े स्टार्टअप कार्यक्रम, स्टार्टअप महाकुंभ में ÷वुमन एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर अवार्ड, 2024÷ से सम्मानित किया गया है। ÷इंडिया फर्स्ट स्टार्टअप मिशन÷ कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया था। स्नेह निगम को कई प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति में यह पुरस्कार मिला। यह उद्यमिता और नवाचार साथ के प्रति उनके समर्पण और नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित करता है।

समाज को खुशहाल बनाने के लिए कार्य कर रहा है ÷माइंडकैफ़े÷

सुश्री स्नेह निगम ने स्टार्टअप, माइंडकैफे की शुरुआत 2022 में की। माइंडकैफ़े मेंटल हेल्थ की क्षेत्र में सक्रियता से कार्य कर रहा है। माइंडकैफे ने अपने ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से 10 हज़ार से अधिक लोगो को मेंटल हेल्थ संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद की है। माइंडकैफे ने अपने एम्प्लोयी वेलबिंग प्रोग्राम्स के द्वारा टाटा स्टील, ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे और रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल्स जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ पार्टनरशिप कर अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। माइंडकैफ़े की कोशिश है कि समाज को एक खुशहाल जगह प्रदान करे जहाँ लोग सुरक्षित महसूस कर सकें और अपने भीतर शांति का अनुभव कर सकें।

बेटे अनंत की शादी में मुकेश अंबानी ने पानी की तरह बहाया पैसा, लगवा दिए 100 प्राइवेट जेट

मुकेश अंबानी ने अपने छोटे बेटे अनंत अंबानी की शादी में पैसा पानी की तरह बहाया है। दो प्री-वेडिंग सेरेमनी के बाद शादी में भी जमकर पैसा खर्च किया है। भारत की सबसे महंगी शादियों में शुमार इस आलीशान वेडिंग के लिए मुकेश अंबानी ने 100 प्राइवेट जेट बुक किए हैं।

देश-विदेश से आने वाले मेहमानों के लिए प्राइवेट जेट

अनंत अंबानी-राधिका मर्चेंट की शादी बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित रिलायंस जियो वर्ल्ड में होगी। इस शादी में देश-विदेश से आने वाले खास मेहमानों के लिए अंबानी ने 100 प्राइवेट जेट की बुकिंग की है।

3 फाल्कन-2000 और 100 से ज्यादा प्राइवेट जेट बुक

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनंत की शादी में आने वाले मेहमानों के लिए अंबानी ने तीन फाल्कन-2000 जेट और 100 प्राइवेट प्लेन का इंतजाम किया है। इस बात की जानकारी खुद वन एयर के ष्टश्वह्र राजन मेहरा ने दी है। उनकी कंपनी शादी में आने वाले मेहमानों को लाने-ले जाने का काम करेगी।

100 से ज्यादा प्राइवेट जेट पर कितना आएगा खर्च

बता दें कि प्राइवेट जेट बुक करने में खर्च कई बातों पर डिपेंड करता है। इनमें एयरक्राफ्ट का साइज, डेस्टिनेशन और अन्य डिमांड शामिल हैं। मार्केट में 4 सीटर से लेकर 189 सीटर तक प्राइवेट जेट मौजूद हैं। आप अपनी सुविधा के मुताबिक, जितना बड़ा और लग्जरी जेट बुक करेंगे, उसका खर्च भी उतना ही आएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 14 सीटर फाल्कन 8ङ्ग का खर्च 18 लाख रुपए आता है। वहीं, 12 सीटर फाल्कन 2000 का किराया 10 लाख, 8 सीटर किंग एयर बी200 जेट का किराया 5 लाख रुपए से स्टार्ट है। ऐसा है अनंत अंबानी-राधिका मर्चेंट का वेडिंग प्रोग्राम अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट 12 जुलाई को सात फेरे लेंगे। उनकी शादी %जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर% में होगी। इससे पहले, उनकी %ममेरू सेरेमनी%, %गरबा नाइट%, %मोसालू%, संगीत सेरेमनी, %हल्दी%, मेहंदी की रस्में हुईं। 13 जुलाई को आशीर्वाद समारोह और 14 जुलाई को भव्य स्वागत सेरेमनी होगी।

शॉप्सी के लिए सुपर 3, तीसरे वर्ष तक, ऐप के 330 एम+ से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं

बेंगलुरु। भारत का सबसे तेजी से बढ़ता हाइपर-वैल्यू प्लेटफॉर्म शॉप्सी, पूरे भारत में 330 मिलियन ऐप डाउनलोड की उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ अपने तीसरे वर्ष का गर्व से जश्न मना रहा है। पिछले तीन वर्षों में, शॉप्सी ने 1,300 श्रेणियों में किफायती उत्पाद उपलब्ध कराकर, 19,000 से अधिक पिन कोड/शहरों तक पहुंचकर और भारत भर के शहरों और कस्बों से 1.4 मिलियन विक्रेताओं (फ्लिपकार्ट सहित) के समुदाय को बढ़ावा देकर हाइपरवैल्यू ऑनलाइन शॉपिंग अनुभव को बेहतर बनाया है। शॉप्सी की बिजनेस हेड प्रथ्यूषा अग्रवाल ने कंपनी की तीसरी वर्षगांठ पर टिप्पणी करते हुए कहा, हम अपने ग्राहकों, विक्रेताओं और भागीदारों के साथ इस माइलस्टोन का जश्न मनाते हैं, जिनके समर्थन ने हमें पसंदीदा हाइपर-वैल्यू ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित किया है। हमारी यात्रा की विशेषता उत्कृष्ट मूल्य, नवाचार और ग्राहक-केंद्रित रणनीति प्रदान करने के लिए हमारे समर्पण से है, जिसे विशेष रूप से भारत की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह देखते हुए कि भारतीय ई-कॉमर्स बाजार 2030 तक 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है, हम अपने उत्पाद की पेशकश, तकनीकी कौशल में सुधार करने और भारत में मूल्य-सचेत उपभोक्ताओं को एक बेजोड़ खरीदारी का अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बिकने लगा BSNL, MP के लिए निकाले टेंडर, उज्जैन की एक जमीन की कीमत 1900 करोड़

भारत संचार निगम लिमिटेड यानी बीएसएनएल को समेटने की तैयारी तेज हो गई है। देशभर में बीएसएनएल की 531 संपत्तियां बिकने लगी हैं। केंद्र सरकार के आदेश के बाद अब मध्यप्रदेश में 52 संपत्तियों को बेचने के लिए चिन्हित कर लिया गया है। इसमें से चार संपत्तियों की बिक्री के लिए 1 जुलाई को ई-टेंडर जारी किया जा चुका है। पहले फेज में बीएसएनएल की जिन चार संपत्तियों को बेचा जाना है, वे इटारसी, देवास, शहडोल और जबलपुर में हैं।

इन संपत्तियों की बिक्री के लिए 74.46 करोड़ रुपए का मूल्य रखा गया है। सभी के लिए अलग-अलग रिजर्व प्राइस पर टेंडर बुलाए गए हैं। ई-टेंडर प्रक्रिया संभाल रहे बीएसएनएल के डिप्टी मैनेजर संदीप गुप्ता का कहना है संपत्तियों का ऑक्शन ऑनलाइन किया जा रहा है। इसके लिए जरूरी दस्तावेज और तय राशि जमा कराते हुए संबंधित संस्था, निकाय या लोग इसमें शामिल हो सकते हैं।

उज्जैन की तीन संपत्तियां 2010 करोड़ रुपए की

सबसे खास यह है कि उज्जैन की तीन संपत्तियां 2010 करोड़ रुपए की हैं। इनमें अकेले उज्जैन की भरतपुरी स्थित सबसे बड़ी प्रापर्टी 7 लाख 28 हजार 750 वर्ग मीटर की है, जिसकी कीमत 19 अरब यानी 1900 करोड़ रुपए आंकी गई है। यह प्रदेश में बीएसएनएल की सबसे बड़ी और ज्यादा कीमत की प्रॉपर्टी है।

वहीं उज्जैन के नानाखेड़ा की 3010 वर्ग मीटर जमीन है जिसकी कीमत प्रति मीटर कीमत 74400 रुपए आंकी गई है। वहीं, राजधानी भोपाल की 8 संपत्तियों की कीमत 973 करोड़ 60 लाख रुपए आंकी गई है, जबकि जबलपुर की 12 प्रॉपर्टी 1357 करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत की हैं। हालांकि अभी एमपी की चार संपत्तियों को बेचने के लिए ही टेंडर जारी किए गए हैं। बाकी संपत्तियों की कीमत का आकलन कर लिया है।

देशभर की 27 संपत्तियों के लिए टेंडर जारी

दरअसल, केंद्र सरकार के आदेश के बाद भारत संचार निगम लिमिटेड ने अपनी संपत्तियों की जानकारी जुटाकर मूल्यांकन करा लिया है। यह सब इसलिए किया गया है, ताकि सरकार को बीएसएनएल की संपत्तियों की जानकारी के साथ उनकी कीमत का पता लग सके।

अब इन संपत्तियों को बेचने का सिलसिला शुरू कर दिया गया है। पहले चरण में आंध्र प्रदेश की 3, छत्तीसगढ़, गुजरात, पश्चिम बंगाल और पुड्डूचेरी में 1-1, केरल, कर्नाटक, पंजाब में 2-2, मध्यप्रदेश और तमिलनाडू में 4-4 और, उत्तरप्रदेश में 6 सहित 27 प्रॉपर्टी की बिक्री के लिए ऑक्शन टेंडर जारी किए जा चुके हैं।

एमपी के 4 शहरों में संपत्ति बेच रहा बीएसएनएल

मध्य प्रदेश में फर्स्ट फेज में चार प्रॉपर्टी की बिक्री के लिए ई-टेंडर जारी किए गए हैं। इसमें इटारसी के सनखेड़ा नाका स्थित कर्मचारी आवासों की बिक्री के लिए 8.43 करोड़ आरक्षित मूल्य रखा गया है। वहीं देवास में कालानी बाग कॉलोनी में 50 प्लॉटों के लिए 39.29 करोड़, शहडोल में राजेन्द्र टॉकीज के पास स्थित बीएसएनएल कंपाउंड के लिए 4.72 करोड़, जबलपुर में मढ़ोताल कृषि मंडी के पास जेडीए स्कीम नंबर 5 में 26 प्लाटों के लिए 22.02 करोड़ रिजर्व प्राइज रखा गया है।

इसके लिए 1 जूलाई 2024 को टेंडर जारी किया गया है। इन संपत्तियों को खरीदने के लिए सरकारी संस्थाएं, नगरीय निकाय, निजी संस्थाएं या लोग ऑनलाइन टेंडर की प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं। प्रदेश के अलावा अन्य प्रदेशों में भी बीएसएनएल की संपत्तियां खरीदने ई-टेंडर प्रक्रिया चल रही है।

घाटे से उबारने या निगम बंद करने बेंच रहे संपत्ति

बीएसएनएल लंबे समय से घाटे में चल रहा है। इस वजह से सरकार को नुकसान पहुंचाने वाले इस उपक्रम को कई वर्षों से बेचने की चर्चाएं सामने आती रही हैं, लेकिन अब जबकि निगम की संपत्तियों को चिन्हित कर बेचने की प्रक्रिया ही शुरू कर दी गई है तो दो तरह की बातें हो रही हैं।

अधिकारी देशभर में लगभग अनुपयोगी हो चुकी संपत्तियों को ही चिन्हित करके उन्हें बेचने और उससे मिलने वाली राशि से निगम को घाटे से उबारने की सफाई दे रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ संपत्तियों को बेचने के साथ ही बीएसएनएल के देश भर में फैले नेटवर्क और संसाधनों को समेटने की भी चर्चा चल पड़ी है। निगम के अधिकारी-कर्मचारियों में भी इसको लेकर विरोधाभास की स्थिति है। भारत संचार निगम लिमिटेड के कर्मचारियों के संगठन भी संपत्तियों को बेचने के निर्णय को गलत बता रहे हैं।

मध्यप्रदेश के इन शहरों में संपत्ति चिन्हित

बीएसएनएल ने प्रदेश के शहरों में स्थित भूखंड, एक्सचेंज, कर्मचारी आवास सहित अन्य 52 संपत्तियों को बेचने की तैयारी कर ली है। इसके लिए भोपाल में अयोध्यानगर टेलीकॉम कंपाउंड, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी होशंगाबाद में टेलीकॉम कंपाउंड, होशंगाबाद की सेमरी हरचंद में टेलीकॉम एक्सचेंज कंपाउंड, भोपाल के दामखेड़ा में बीएसएनएल की भूमि, भोपाल में बागमुगालिया एक्सटेंशन में प्लॉट, भोपाल के साकेत नगर में कर्मचारी आवास, ग्वालियर के विनयनगर में प्लॉट, जबलपुर में बारेला वार्ड में भूखंड, देवास में कालानी नगर में प्लॉट के अलावा इंदौर में स्कीम नंबर 78, नेहरु पार्क क्षेत्र, भंवर कुआं, अमितेशनगर और चंदननगर में प्लॉट, मुरैना, जबलपुर, बालाघाट, बड़वानी, खरगोन, धार, रीवा, सतना, नरसिंहपुर, कटनी, शहडोल, उज्जैन शहर में भी संपत्तियों को ब्योरा जुटा लिया गया है।

इन राज्यों की संपत्तियों को किया गया चिह्नित

राज्य	संपत्ति		
आंध्रप्रदेश	24	मध्यप्रदेश	52
असम	11	महाराष्ट	41
छत्तीसगढ़	6	मणिपुर	2
दिल्ली	2	नगालैंड	6
गोवा	3	ओडिशा	15
गुजरात	42	पंजाब	22
हरियाणा	12	पुड्डूचेरी	4
हिमाचल प्रदेश	32	राजस्थान	9
जम्मूङ्कश्मीर	2	तमिलनाडू	29
झारखंड	12	तेलंगाना	27
कर्नाटक	62	उत्तराखंड	14
केरल	27	उत्तरप्रदेश	59
		पश्चिम बंगाल	13

सोशल मीडिया से

विश्व जनसंख्या दिवस

विश्व जनसंख्या दिवस एक वार्षिक आयोजन है, जो हर साल 11 जुलाई को मनाया जाता है। इस दिवस की स्थापना वैश्विक जनसंख्या वृद्धि से जुड़े प्रमुख मुद्दों तथा विकास एवं स्थिरता पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई थी। वर्ल्डोमीटर के अनुसार, वर्तमान वैश्विक जनसंख्या 8, 120, 886, 060 है और यह बढ़ रही है। 10.07.2024 तक भारत की जनसंख्या लगभग 1,44,20,17,450 हो चुकी है। हाल के समय में विश्व की जनसंख्या में बड़ा बदलाव आया है। जनसंख्या को एक अरब तक पहुंचने में सदियां लग गईं, हालांकि, कुछ सौ वर्षों में ही यह सात गुना बढ़ गई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2011 में जनसंख्या 7 अरब तक पहुंच गयी। इस तीव्र वृद्धि के कारण कई महत्वपूर्ण चुनौतियां उत्पन्न हुई हैं।

विश्व जनसंख्या दिवस वर्ष 2024 की थीम : विश्व जनसंख्या दिवस 2024 की थीम ÷किसी को पीछे न छोड़ें, सबकी गिनती करें÷ है। यह थीम यह सुनिश्चित करती है कि संख्या में सभी का उचित प्रतिनिधित्व हो-चाहे उनकी पृष्ठभूमि, राष्ट्रीयता, भूगोल या सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। (साभार) राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड.)

समर्थनम ट्रस्ट फॉर थे डिसेबल्ड भोपाल में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए रोजगार मेला का आयोजन किया

भोपाल समर्थनम ट्रस्ट फॉर थे डिसेबल्ड भोपाल ने बार्कलेज़ (ब्क्क्र- ष्टस्र्ङ्घस्) के सहयोग से सरकारी आईटीआई में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए रोजगार मेला का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्या अतिथि श्री उमाशंका गुप्ता जी (पूर्व ग्रह मंत्री), श्री अंकुर मिश्रा (एडीएम), श्री रवि श्रीवास्तव (एसडीएम), श्री आर.के.सिंह (संयुक्त निदेशक सामाजिक न्याय), श्रीकांत गोलई (आईटीआई प्रिंसिपल), श्री सतीश च (पैन इंडियन प्लेसमेंट) के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ इसके अलावा रोजगार मेला में आये विभिन्न कंपनी वाले तथा 411 दिव्यांग व्यक्तियों ने रोजगार मेला में पूरे मध्य प्रदेश से साक्षात्कार में भाग लिया। हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 31 नियोक्ता विभिन्न नौकरी भूमिकाओं के साथ अपने संगठन में संभावित मानव संसाधन को नियुक्त करने के लिए आगे आए। 136 को शॉर्टलिस्ट किया गया। उम्मीदवारों को आईटी/बीपीओ/रिटेल सेक्टर आदि जैसे विभिन्न डोमेन में शॉर्टलिस्ट किया गया है। जॉब फेयर ने विभिन्न ग्रामीण पृष्ठभूमि के विकलांग व्यक्तियों के लिए एक साझा मंच प्रदान किया है.

एलिया कमोडिटीज लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। एलिया कमोडिटीज लिमिटेड ने को इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत 95 प्रति शेयर मूल्य पर 51 करोड एकत्र करना है. कंपनी के शेयर्स सेट बीएसई एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे. आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुभ धनराशि का उपयोग एक नई मैनुफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने और उसके बाद प्लांट और मशीनरी की स्थापना करने, मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट पर प्लांट एवं मशीनरी की खरीदी करने और आम कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा. एंकर पोर्शन की बिडिंग 11 जुलाई, 2024 को खुलेगी. सभी अन्य श्रेणियां के अभिदान के लिए इश्यू 12 जुलाई, 2024 को खुलेगा और 16 जुलाई, 2024 को बंद होगा।

बी.एस.एन.एल ऑफिसों में चोरी

छिंदवाड़ा। रोहित माइक एस डी ई ग्रामीण बी एस एन एल छिंदवाड़ा से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 03 जुलाई दिन बुधवार को रात्रि के समय सावरी BSNL ऑफिस में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा 100*6=600AH लिथियम अयान EXICOM कंपनी की नई बैटरी चुरा ले गए जिसकी कुल कीमत 6 लाख रुपये है तथा दिनांक 10 जुलाई दिन बुधवार को रात्रि के समय रोहना कला क्ष्स्हरु ऑफिस में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा 100*5=500AH लिथियम अयान EXICOM कंपनी की नई बैटरी, अल्का टेल टूजी BTS की TRE, कम्मानर एवं लेड लाइन के कार्ड्स चुरा ले गए जिसकी कुल कीमत 5 लाख पचास हजार रुपये है जिसकी शिकायत संबंधित थाना में कर दी गई है ।

जनसंख्या स्थिरता माह का शुभारंभ

छिंदवाड़ा। जनसंख्या स्थिरता माह 11 जुलाई से 11 अगस्त 2024 तक आयोजित है जिसका शुभारंभ यूपीएससी रामबाग छिंदवाड़ा में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर एनके शास्त्री के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सीएचएमओ द्वारा उपस्थित एएनएम ,आशा कार्यकर्ता एवं अन्य महिलाओं वा पुरुषों को परिवार नियोजन के स्थाई व अस्थाई साधनों के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि दंपति अपनी चॉइस के अनुसार शादी के बाद दो साल तक बच्चा नहीं होने देने एवं दो बच्चों के बीच तीन साल का अंतर के लिए परिवार नियोजन के अस्थाई साधन जैसे माला एन टैबलेट, छाया टैबलेट, इसी पिल्स टेबलेट, कंडोम, अंतरा इंजेक्शन या आईयुसीडी का चयन कर सकते हैं । परिवार नियोजन के स्थाई साधन के लिए पुरुष नसबंदी या महिला नसबंदी का चयन कर सकते हैं। शुभारंभ कार्यक्रम में आशा कार्यकर्ता श्रीमती कविता अल्डक के द्वारा परिवार नियोजन के अस्थाई साधनों का नवाचार हेतु टोकरी में प्रदर्शनी बनाई गई जिसके लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र एवं शील्ड द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम में डॉक्टर प्रमोद वासनिक मीडिया जिला मीडिया अधिकारी, डॉक्टर सुमित मोहबे चिकित्सा अधिकारी, श्रीमती यशोदा वाघमारे जिला उप मीडिया अधिकारी, श्रीमती आरती यादव एपीएम, जितेंद्र यदुवंशी एम एंड ई,रघुनाथ वर्मा, आमोश प्रवीण एवं विभागीय स्टाप उपस्थित रहे।

चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में उत्तीर्ण हुई कुमारी यशस्वी साहू

छिंदवाड़ा। चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए की फाइनल परीक्षा का रिजल्ट जारी होने के साथ ही छिंदवाड़ा के सिवनी प्राणमोती रामदेव नगर की रहने वाली कुमारी यशस्वी साहू ने परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने परिवार को गौरवांवित किया है। कुमारी यशस्वी साहू ने बताया कि वह इंदौर में एक साल तक कोचिंग लेकर लगातार प्रयास करती रहीं, जिसके बाद पुणे में परीक्षा देकर चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए की फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण की है। कुमारी यशस्वी साहू ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने पिता कपिल साहू एवं माता नीलिमा साहू को दिया है।

आदिवासी वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को मिलेगा 50 लाख रूपये तक का ऋण

बैंकों को आवंटित किया गया 580 का भौतिक लक्ष्य

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने बताया कि म.प्र.आदिवासी वित्त एवं विकास निगम द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवक-युवतियों को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिये 02 योजनाएँ क्रमशः भगवान बिरसा मुण्डा एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना लागू की गई है। कलेक्टर श्री सिंह ने भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत जिले की सभी बैंकों को दोनों योजनाओं के अंतर्गत लक्ष्यों का आवंटन किया है, जिसके तहत भगवान बिरसा मुण्डा योजना जिसकी इकाई लागत 01 लाख से 25 लाख रूपये तक सेवा ईकाईयों के लिये एवं 25 लाख रूपये से 50 लाख रूपये तक विनिर्माण ईकाईयों के लिये है, कुल 80 ईकाईयों का भौतिक लक्ष्य विभिन्न बैंकों को आवंटित किया गया है। इसी प्रकार टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना जिसकी ईकाई लागत 10 हजार से 01 लाख रूपये तक निर्धारित है, के लिये छोटे एवं लघु व्यवसायों हेतु जिले की विभिन्न बैंक शाखाओं को 500 ईकाईयों का भौतिक लक्ष्य आवंटित किया गया है।

योजना में पात्रता संबंधी शर्तें-

टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना- आवेदक अनूसूचित जनजाति वर्ग का सदस्य और जिले का स्थायी निवासी होना चाहिये और जिसकी उम्र आवेदन दिनांक को 18 से 55 वर्ष के बीच हो।भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना- इस योजना के अंतर्गत आवेदक अनूसूचित जनजाति वर्ग का सदस्य और जिले का स्थायी निवासी होना चाहिये और जिसकी उम्र आवेदन दिनांक को 18 से 45 वर्ष के बीच होना चाहिये।

बेंगलोर से आए पर्यटकों से लिया होम स्टे का फीड

बैक, बांस के डस्टबीन देखकर अधिकारी हुए खुश

छिन्दवाड़ा। राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों का दल छिंदवाड़ा जिले के पर्यटन ग्राम सावरवानी पहुंचा और यहाँ चल रही सरकारी जनकल्याकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को जाना। अधिकारियों ने ग्राम में कृषि, उद्यानिकी, राजस्व, पशुपालन विभाग की जनकल्याकारी योजनाओं को समझा। साथ ही इन दिनों बेंगलोर से सावरवानी आए पर्यटकों से होम स्टे का फीड बैक लिया। पर्यटकों ने बताया कि उन्हें यहाँ उम्मीद से कहीं ज्यादा अच्छी सुविधाएं मिली हैं और प्राकृतिक वातावरण में देशी व्यंजन ने आठ दिन के ट्रिप को यादगार बना दिया है।

मतगणना स्थल परिसर में धारा 163 रहेगी लागू

मतगणना स्थल परिसर में किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति का प्रवेश रहेगा प्रतिबंधित मतगणना स्थल पर मोबाईल, धूम्रपान, मद्यपान, गुटखा, पाउच आदि भी रहेंगे प्रतिबंधित किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा की जाने वाली वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी भी प्रतिबंधित रहेगी

छिन्दवाड़ा। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार विधानसभा उप निर्वाचन 2024 की घोषणा 10 जून 2024 के साथ ही जिला छिंदवाड़ा के विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 123-अमरवाड़ा में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील है। विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 123-अमरवाड़ा में 10 जुलाई 2024 को चुनाव सम्पन्न हुये हैं और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतगणना 13 जुलाई 2024 को शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा में संपादित की जायेगी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शीलेन्द्र सिंह द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिये मतगणना स्थल पर कानून व्यवस्था, पारदर्शिता, निष्पक्षता, लोकशांति एवं लोक सुरक्षा बनाये रखने के लिये भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 लागू करते हुए लोक हित में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है।

जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुसार मतगणना स्थल परिसर शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय (पी.जी. कॉलेज) छिंदवाड़ा के 200 मीटर क्षेत्र में मतगणना समाप्ति तक के समय के लिये मतगणना स्थल परिसर में किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा । मतगणना स्थल भवन की परिधि के 200 मीटर की दूरी में अधिकृत वाहनों को छोड़कर सभी वाहनों का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा और मतगणना केन्द्र की 200 मीटर की दूरी के भीतर किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार के घातक हथियार जैसे चाकू, लोहे की छड़, लाठी, तलवार, भाला, बरछी, फरसा, गंडासा, आग्नेय शस्त्र आदि लेकर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंध शासकीय, अर्धशासकीय निकायों के सुरक्षा कर्मियों, पुलिस कर्मियों, विशेष पुलिस कर्मियों और ऐसे शासकीय अधिकारियों पर लागू नहीं होगा, जिन्हें जिला प्रशासन अथवा पुलिस प्रशासन द्वारा चुनाव के दौरान शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिये नियुक्त किया गया हो एवं जिन्हें भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सुरक्षा मापदण्डों के आधार पर विशेष छूट प्राप्त हो। मतगणना स्थल पर किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को कही भी घूमने की अनुमति नहीं रहेगी। जिला/सहायक निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्धारित स्थानों पर ही अभ्यर्थी, उनके मतगणना अभिकर्ता उपस्थित रह सकेंगे। मतगणना स्थल पर किसी भी प्रकार की नारेबाजी, चिल्लाना, चीखना या अव्यवस्थित तरीके से कार्य करने की अनुमति नहीं होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी की बिना अनुमति के मतगणना स्थल पर मोबाईल फोन, आई.पेड, लेपटॉप या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जिससे आडियो या वीडियो रिकार्ड किया जा सकता है, को मतगणना स्थल में लाने की अनुमति नहीं रहेगी। केवल आयोग के पर्यवेक्षक अपवाद होंगें। मतगणना स्थल में धूम्रपान, मद्यपान, गुटखा पाउच आदि का उपयोग प्रतिबंधित होगा। किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा मतगणना प्रक्रिया की वीडियोग्राफी/ फोटोग्राफी को प्रतिबंधित किया गया है। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूध्द भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-223 के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी।

छिंदवाड़ा से नकुलनाथ को हराने बंटी साहू की पत्नी शालिनी ने की थी ये मन्नत

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा लोकसभा चुनाव में क्ष्ध्क्षसांसद बंटी साहू की जीत के लिए पत्नी शालिनी ने पूरे लोकसभा क्षेत्र में पैदल यात्रा की थी। यही नहीं शालिनी ने पति की जीत के लिए एक मन्नत भी मांगी थी, जो अब पूरी की है। क्या थी वो मन्नत आइए आपको बताते हैं...

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा से बीजेपी सांसद विवेक बंटी साहू की पत्नी शालिनी की मन्नत थी कि नकुलनाथ के चुनाव हारने और बंटी साहू के जीतने पर बाल अर्पित करेंगी। उन्होंने इसी मन्नत को पूरी करते हुए भगवान वेकेंटश्वर बालाजी के सामने अपने बाल अर्पित किए। विवेक बंटी साहू ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे को हराकर लोकसभा सांसद बने हैं। छिंदवाड़ा सीट पर पति की जीत के लिए शालिनी ने ये मनोकामना की थी।

पति की जीत के लिए की थी पदयात्रा

लोकसभा चुनाव में विवेक बंटी साहू की जीत के बाद बीते रोज शालिनी साहू अपने परिजनों के साथ बालाजी पहुंची और बाल अर्पित किए। पति बंटी साहू की जीत की कामना करते हुए शालिनी ने छिंदवाड़ा से जामसांवली हनुमान मंदिर तक पैदल यात्रा की भी थी। शालिनी साहू घर-घर वोट मांगने से लेकर महिलाओं के दल के साथ गांव में जाकर पति के लिए प्रचार भी किया। जीत के बाद भगवान बालाजी के सामने वो बाल भी समर्पित कर दिए।

सांसद जनार्दन मिश्रा टॉयलेट साफ करते हैं, मंत्री विश्वास सारंग कार पर चढ़ बैठते हैं और डीएसपी संतोष पटेल के तो क्या ही कहने

नकुलनाथ को एक लाख से अधिक वोटों से हराया

लोकसभा चुनाव 2024 में छिंदवाड़ा से बीजेपी नेता विवेक बंटी साहू चुनाव जीतकर सांसद बने। बंटी साहू ने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का किला भेदा और बेटे नकुलनाथ को एक लाख से अधिक वोटों से हराकर जीत हासिल की है। छिंदवाड़ा के अभेद्य किले को भेदने के लिए बीजेपी कई दशकों से संघर्ष कर थी।

प्रायवेट प्ले स्कूलों के संचालकों को कराना होगा ऑन लाइन पंजीयन

पोर्टल पर पंजीयन कराने के दिये निर्देश

छिन्दवाड़ा। पांढुर्णा कलेक्टर अजय देव शर्मा ने राष्ट्रीय ईसीसीई नीति 2013 के अनुसार एवं राष्ट्रीय बाल संरक्षण अधिकार आयोग के निर्देशानुसार प्रायवेट क्षेत्र में पूर्व से संचालित एवं नये संचालित होने वाले शाला पूर्व शिक्षा केन्द्रों प्ले स्कूल, मोन्टेसरी स्कूल, नर्सरी स्कूल, किंडर गार्डन आदि के नियमन एवं निगरानी के लिये पांढुर्णा जिले में संचालित सभी शाला पूर्व शिक्षा केन्द्रों का विभागीय पोर्टल 222.द्वश्च2ष्स्र-द्वद्धह्य.द्दश1.द्बठ्ठ पर पंजीयन कराये जाने के निर्देश दिये हैं।

उन्होंने बताया कि पोर्टल पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 04 अगस्त 2020 से पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यह पंजीयन की सुविधा पूर्णतः निःशुल्क है। पंजीयन करने के बाद पंजीयन क्रमांक को सबमिट करके संस्था की संक्षिप्त जानकारी, आवश्यक अभिलेख की पीडीएफ अपलोड कर विभाग द्वारा निर्धारित पंजीयन शुल्क 1000 रूपये एवं 60 रूपये पोर्टल शुल्क जमा करने के बाद पंजीयन संबंधी अभिलेखों एवं सुविधाओं के सत्यापन के लिये महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संबंधित शाला पूर्व शिक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया जायेगा। निरीक्षण के दौरान प्रस्तुत जानकारी, अभिलेख असत्य अथवा त्रुटिपूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार पात्रता पूर्ण करने की स्थिति में शाला पूर्व शिक्षा नीति के प्रावधानों, नियमों एवं बाल अधिकार से संबंधी अधिनियमों/नियमों का उल्लघंन पाये जाने पर आवेदक संस्था के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही किये जाने का प्रावधान है। पांढुर्णा जिले में कई शाला पूर्व शिक्षा केन्द्र संचालित है, परन्तु उनमें से किसी भी संस्था द्वारा विभागीय पोर्टल पर वर्ष 2024-25 के लिये पंजीयन नहीं कराया गया है।

ऑर्ट ऑफ लिविंग जबलपुर जोन में टीचर्स मिलन समारोह

छिन्दवाड़ा। छिन्दवाड़ा के जोन कोर्डीनेटर मनीष शर्मा ने बताया कि जबलपुर जोन, छिन्दवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, जबलपुर, सतना, रीवा, दमोह में ऑर्ट ऑफ लिविंग टीचर्स मिलन समारोह आयोजित हुआ। जिसमें मध्यप्रदेश के स्टेट कोर्डीनेटर श्रीमति प्रभा खंडेलवाल, श्रीमति हिमांशी गुप्ता,लोकेन्द्र शर्मा और श्रीमति संगीता एवं अपैक्स मेम्बर नितिन बरसैय्या जिसमें जबलपुर जोन से 100 अधिक टीचर्स पहुंचे। जिसमें जबलपुर जोन में 06 टीचर्स को अच्छे कार्य के लिये सम्मानित किया। जिसमें छिन्दवाड़ा से श्रीमति श्वेता चड्ढा को अच्छे सेवा कार्यो के लिये सम्मानित किया गया हैं यह हमारे छिन्दवाड़ा के ऑर्ट ऑफ लिविंग परिवार के सम्माननीय हैं। आने वाले समय में छिन्दवाड़ा जिले के टीचर्स ने समाज में खुशहाली लाने और सकारात्मक लाने का संकल्प लिया और छिन्दवाड़ा जिले से अधिक से अधिक टीचर्स पहुंचे जिसमें मनीष शर्मा, श्वेता चड्ढा,नंदकिशोर तिवारी, राम सोनी, अक्षय मोहबे, बृजेश काली पवार,मंजू मोहबे एवं कई लोग पहुंचे ।

5 अरब 96 करोड़ के 46 डेम स्वीकृत

अमरवाड़ा। छिंदवाड़ा लोकसभा क्षेत्र से विवेक बंटी साहू के सांसद बनते ही अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र की सबसे प्रमुख मांग सिंचाई के डैम निर्माण को मध्यप्रदेश सरकार ने गंभीरता से लेते हुए सांसद की मांग पर स्वीकृति प्रदान की है द्ब अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 46 ग्रामों में 46 नए डेम स्वीकृत किए गए हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई एवं पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध होगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए भाजपा नेता नितिन तिवारी ने बताया सांसद विवेक बंटी साहू द्वारा अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में सिंचाई एवं पेयजल हेतु डैम निर्माण करने की मांग राजा कमलेश शाह के साथ मिलकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से की गई थी जिसे मुख्यमंत्री ने तत्काल स्वीकृति देकर डैम निर्माण हेतु 5 अरब 96 करोड रुपए की राशि स्वीकृत की है उक्त डेमो का निर्माण कार्य एक वर्ष के अंदर पूर्ण हो जाएगा ।

लीला बाबा मंदिर पहुंच मार्ग पर संजय कालोनी वासियों का अतिक्रमण

सांध्य प्रकाश बैतूल । कालेज रोड से संजय कालोनी होकर विनोवा वार्ड स्तिथ लीला बाबा मंदिर पहुंच मार्ग पर अतिक्रमण किए जाने के संबध मे विवेकानंद वार्ड के आधा सैकड़ा से अधिक लोगों ने जिला कलेक्टर और नजूल अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर अतिक्रमण हटाने की मांग करी है। मनीष धोटे बताया है कि संजय कालोनी होकर विनोबा वार्ड मे लीला बाबा मंदिर पहुंच मार्ग पर संजय कालोनी के कुछ वार्ड वासियों द्वारा रास्ते में अवैध रूप से कब्जा कर अतिक्रमण कर लिया है। जिससे राहगीरों को आने जाने में परेशानी होती है। जिसे तत्काल हटाना चाहिए। वैसे भी अतिक्रमण को लेकर प्रशासन सख्त हो चुका है। युवाओं ने ज्ञापन की एक प्रतिलिपि पार्षद आनंद प्रजापति और पिंटू महाले को सौंपी है। जिनमे प्रमुख रूप से मनीष धोटे सुषमा धोटे आनंद राठौर सर्वेश दीक्षित भूपेश दियावर हर्षा जैन कालू आहूजा शैलेंद्र गुप्ता सुरेश राठौर बबलू महाले ने प्रशासन से अतिक्रमण हटाने तथा रोड का चौड़ीकरण करने की मांग करी है ।

अष्टांहिका महापर्व का शुभारंभ 14 से...

श्रीआदिनाथ जिनालय में होगा नंदीश्वर द्वीप 52 पूजन विधान

छिंदवाड़ा। सकल जैन समाज के साथ श्री दिगंबर मुमुक्षु मंडल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन विविध अनुष्ठानों के साथ आगामी आषाढ़ सुदी अष्टमी 14 जुलाई से आठ दिनों तक चलने वाले अनादि निधन शाश्वत महापर्व अष्टांहिका की मंगल आराधना करेगा। फेडरेशन सचिव दीपक राज जैन ने बताया की मंगलमय प्रसंग पर अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जिनालय में प्रातः 7 बजे से श्री जिनबिंब प्रक्षालन से महोत्सव का शुभारंभ होगा पश्चात 7.15 बजे से जिनेन्द्र पूजन 7.45 से नंदीश्वर द्वीप 52 पूजन विधान का शुभारंभ, 9 बजे से विदिशा से पधार रहें बाल ब्रह्मचारी अमित जैन के मंगल प्रवचन होंगे। दोपहर 3 बजे से स्वाध्याय भवन में बा. ब्र. अमित भैय्या के प्रवचन, रात्रि 7 बजे से बच्चों की पाठशाला एवं 8.30 बजे से बा. ब्र. अमित भैय्या के मंगल प्रवचनों को सुनने का सौभाग्य सकल जैन समाज को प्राप्त होगा।उपरोक्त समस्त अनुष्ठान आगामी आठ दिनों तक नियमित रूप से चलेंगे जिसकी पूर्णता श्रावण वदि एकम 22 जुलाई वीर शासन जयंती के शुभ दिन होगी जिसमे सम्मिलित होकर सकल जैन समाज से धर्म लाभ लेने की अपील मंडल एवं फेडरेशन की ओर से सर्वश्री शांतिकुमार पाटनी, विजयकुमार कौशल, रमेशचंद्र सिंघई, डॉक्टर के. सी. जैन, महेंद्र जैन, अशोक वैभव, प्रमोद पाटनी, प्रकाश अहिंसा, ऋषभ शास्त्री, दीपक राज जैन, राजेश जैन, वर्धमान जैन, सचिन जैन, आशीष कौशल, विशाल शास्त्री सहित समस्त सदस्यों द्वारा की गई है।

पलक दुबे ने अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत देश का किया प्रतिनिधित्व

छिंदवाड़ा। 23 वॉ एशिया पैसिफिक फार्मास्युटिकल सेमपोजीशन इस वर्ष थाईलैण्ड के चियांगमई शहर में आयोजित हुआ । सात दिवसीय आयोजन में अरविन्दो इंस्टीटयूट ऑफ फार्मेसी इंदौर से डाक्टर ऑफ फार्मेसी (फार्म डी) की छात्रा पलक दुबे जो छटवें व अंतिम वर्ष की छात्रा है, इन्हे कालेज की तरफ से चयनित कर अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी में जाने का अवसर प्राप्त हुआ । पलक दुबे स्थानीय छिंदवाड़ा निवासी चन्द्रभूषण दुबे की पोती एन.के. दुबे व श्रीमति वन्दना दुबे की पुत्री है, पराग दुबे की छोटी बहन हैं, प्रारंभिक शिक्षा छिंदवाड़ा के विद्या भूमि पब्लिक स्कूल से प्राप्त की है । एशिया पैसिफिक फार्मास्युटिकल सेमपोजीशन में प्रथम दिवस परिचय सत्र के दौरान जब पलक दुबे ने अपने देश के राष्ट्रीय ध्वज के साथ मंच पर अपना प्रभावी परिचय दिया तो स्वयं को बहुत गौरवान्वित महसूस किया । आयोजन में एशिया समेत बीस देशों के प्रतिनिधियों ने सम्मिलित होकर स्वास्थ्य सेवाओं फार्मास्युटिकल उद्योग एवं विकास पर वृहत स्तर पर मंथन किया। पलक दुबे के प्रस्तुत एपरो प्रोजेक्ट में एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस की सराहना करते हुये ब्रिटिश एम्बेसी ने ग्रांट उपलब्ध करवाने की बात कही । 7 दिवसीय आयोजन के प्रत्येक चरण व सत्र में बढ़ चढ़कर भाग लिया व अपनी विद्वता का परिचय प्रस्तुत किया। विभिन्न क्षेत्रों के बच्चों ने आपस में मिल जुलकर कार्य किया व सभी देशों में मित्रता बढ़ी। आखिरी दिवस सभी बच्चों ने आयोजकों व अपनी-अपनी संस्थाओं को धन्यवाद कहा, अपनी इस उपलब्धि के लिये गुरूजनों माता-पिता व सहयोगियों का आभार माना है । पलक दुबे की अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्मिलित होने पर सभी ब्राहम्ण समाज व इंदौर व छिंदवाड़ा के कई सामाजिक व स्वयंसेवी संगठनों, परिचितों ने बधाईयॉ व शुभकामनाएँ प्रेषित है ।

स्वास्थ्य विभाग में खून के दलालों का कारनामा सामने आया

जिला चिकित्सालय में खून बेचने का मामला सामने आया

मण्डला/अजीत पटेल--ब्लड बैंक के दलालों पर चला प्रशासन का चाबुक, 3 दलालों की हुई सेवा समाप्त। स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार और लापरवाहियों का कारनामा दिनों दिन तेजी से बढ़ता जा रहा है।मंडला जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में आज कल घोर अनियमितताएं बरती जा रही हैं। मरीजों को खून उपलब्ध कराने के एवज में पैसों की मांग की जा रही है। रक्तदान करने वाले रक्तदाता अपने आप को ठगा हुआ महसूस करते हैं जब उनको यह पता चले कि उनका दान किया हुआ रक्त जरूरतमंद मरीजों को फ्री में न मिलकर मोटी रकम खर्च करके बेच दिया जा रहा है। इस मामले में मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन की नींद कब खुलेगी और कार्यवाही कब की जाएगी।

दिनांक 10 जुलाई 2024 को आवेदक फूल सिंह मसराम निवासी ग्राम उमरिया विकासखण्ड मोहगांव को ब्लड बैंक से ब्लड उपलब्ध कराने के एवज में रूपयों की मांग किये जाने तथा ब्लड सेंटर में रक्त उपलब्ध होने के बाद भी कार्यरत कर्मचारियों द्वारा भ्रामक जानकारी देते हुये बाहर से रक्तदाता लाने के लिये प्रेरित किया गया।शिकायत सामने आने पर प्रकरण की जॉच अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह एवं अरविंद सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ के सी सरोंते, सिविल सर्जन डॉ विजय धुर्वे द्वारा की गई जिसके आधार पर निम्नानुसार कार्यवाही की गई इस संबंध में अस्पताल प्रबंधन की ओर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मण्डला द्वारा ब्लड सेंटर अनुबंधित फर्म सूर्या चेरिटेबिल ट्रस्ट मुंबई को उनके अधीनस्थ आउटसोर्स कर्मचारी शुभम जंघेला लेब सुपरवाईजर, दुर्गेश कछवाहा वैन चालक, कमलेश धुर्वे वैन अटेण्डर की सेवा समाप्त की कार्यवाही की गयी। नियमित लेब टेक्नीशियन अनिल भोयर, यदुराज चौरसिया, यदुवेश यादव, श्याम हरदहा तथा नर्सिंग आफिसर उर्मिला मर्सकोले, वर्षा पटैल को नोटिस जारी करते हुए 24 घण्टे में जबाब मांगा गया। संविदा लेब टेक्नीशियन अशोक कुमार उइके, पवित्र कछवाहा, रविंद्र मर्सकोले को नोटिस जारी करते हुए 24 घण्टे मे जबाब मांगा गया एवं संतोषप्रद जबाब ना पाने पर सेवा समाप्ति हेतु लिखा गया। उक्त संबंध में जिला चिकित्सालय मण्डला के पैथोलॉजिस्ट को भी नोटिस जारी करते हुए जबाब मांगा गया है। प्रकरण में रक्त उपलब्ध कराने वाले प्रदीप बरमैया के विरूद्ध पुलिस थाना मण्डला में आपराधिक प्रकरण दर्ज कराई गई है।

एक पेड़ मॉ के नाम

कलेक्टर ने लगाए काली मिर्च के 80 और तेजपत्ता के 40 पौधे

छिंदवाड़ा। कृषि वैज्ञानिकों की सलाह उपरांत जिले की क्लाइमेटिक कंडीशन को देखते हुए किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए जिले में कालीमिर्च, लोंग, इलायची और तेजपत्ता की खेती के नवाचार की शुरुआत कलेक्टर शीलेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में विगत दिनों को जा चुकी है। जिसके लिए चयनित और इच्छुक कृषकों को वैज्ञानिकों के माध्यम से प्रशिक्षण भी दिलाया जा चुका है। साथ ही देलाखारी नर्सरी में भी इन मसालों के पौधे लगाए गए हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में किए जा रहे नवाचार के प्रति किसानों को प्रेरित करने के उद्देश्य से इसे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जोड़ते हुए आज से अपने बंगले परिसर में मसाला पार्क स्थापना की शुरुवात की गई। इसके तहत कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के सहयोग से कलेक्टर निवास परिसर में आज कालीमिर्च के 80 और तेजपत्ता के 40 पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान उपसंचालक उद्यान श्री एम. एल. उइके, उपसंचालक कृषि जितेंद्र सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. डी.के. श्रीवास्तव, डॉ. रूपेंद्र झाडे, जिला आपूर्ति अधिकारी अजीत कुजूर, उद्यानिकी विभाग का समस्त अमला एवं पत्रकार बंधु उपस्थित थे और सभी ने कलेक्टर के साथ पौधे लगाए।

इंदौर पौधारोपण: 24 घंटे में लगाए जाएंगे 11 लाख पौधे, असम का रिकॉर्ड तोड़ेगा मध्यप्रदेश

इंदौर। इंदौर पौधारोपण का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है और इसके लिए जरूरी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। शहर पौधारोपण महोत्सव के शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस संबंध में गुरुवार को नगरीय विकास मंत्री कैलाशजी विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि यह विश्व का जनभागीदारी का सबसे बड़ा कार्यक्रम है और भारत का सबसे बड़ा पौधरोपण आयोजन है।

इंदौर के रेवती रेंज पर 24 घंटे में 11 लाख पौधे लगाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जाएगा। इससे पहले यह रिकॉर्ड असम के नाम था, जहां पर 9.25 लाख पौधे लगाए गए थे। पौधारोपण के इस महाअभियान में 100 संगठनों के 50 हजार से ज्यादा लोग हिस्सा लेंगे। इसमें प्रत्येक समाज के आराध्य देव और प्रत्येक संस्था के आदर्श के नाम पर वनों का नाम किया जाएगा। इस मौके पर डॉक्टरों की टीम, समन्वयक, पार्षदगण, युवामोर्चा, बीएसएफ, सेना प्रशिक्षण स्कूलों के स्वयंसेवकों की टीम, एनएसएस और एनसीसी के कैडेट्स, कॉलेज छात्र धार्मिक, सांस्कृतिक और गैर सरकारी संगठन के लोग तैनात रहेगें जो व्यवस्था संभालने के साथ व्यवस्थित तरीके से पौधारोपण में मदद करेंगे। पौधारोपण के लिए 10 हजार से अधिक कटर, पानी के डिब्बे, फावड़े, सहायक उपकरण, टीशर्टस, कैप्स आदि नागरिकों को वितरित किए जाएंगे। इसके साथ प्रत्येक दो घंटे में 5 से 10 हजार लोगों की टीम रिप्लेस होगी। रेवती रेंज के अंदर 10 हजार पौधारोपण क्षमता वाले 100 से अधिक व्यक्तिगत ब्लाक में समन्वय के लिए 1 हजार लोगों की टीम बनाई है।

पौधारोपण के समय गीत-संगीत की व्यवस्था की गई है : रेवती रेंज में पिछले तीन सप्ताह से पौधों लाए जा रहे हैं। रेवती रेंज में अस्थाई नर्सरी स्थापित की गई है और इसके अलावा शहर के उद्यान स्थानों में भी नर्सरी स्थापित की गई है। इन पौधों के रखरखाव के लिए एक टीम बनाई है। रेवती रेंज पर 50 हजार लोगों के लिए स्वादिष्ट ताजे भोजन और पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। इस स्थान पर लगातार 48 घंटे तक ताजा भोजन तैयार किया जाएगा। पौधारोपण अभियान में लगे लोगों के उत्साहवर्धन के लिए गीत-संगीत की व्यवस्था की गई है, जहां देशभक्ति के गीतों से माहौल गुंजायमान रहेगा। जिससे लोग जोश के साथ पौधारोपण अभियान को सफल बनाएंगे। वर्ल्ड रिकॉर्ड की तैयारी एक दिन पहले 13 जुलाई की शाम 6 बजे शुरू हो जाएगी। इस तैयारी में गड्ढे खोदना शुरू कर दिए जाएंगे जो 14 जुलाई सुबह 6 बजे तक होंगे। इसके बाद पौधारोपण गिनीज बुक के मापदंडों के मुताबिक 14 जुलाई को सुबह 6 बजे से प्रारंभ किया जाएगा। गुरुवार को पौधारोपण करने वाली सभी संस्थाओं को उनसे संबंधित झोन का निरीक्षण करवाया गया। वर्ल्ड रिकार्ड की टीम ने रेवती रेंज का निरीक्षण कर लिया है और उसने व्यवस्थाओं को तयशुदा मापदंडों के अनुकूल पाया है।

पानी की आपूर्ति ड्रिप सिंचाई और ओवरहेड टैंक से की जाएगी: पौधारोपण के लिए रेवती रेंज क्षेत्र को 9 जोन में विभाजित किया गया है। 9 जोन जो 100 सबजोन में बंटा हुआ है, इसमें 1 लाख 21 हजार बड़े पौधे और 4 लाख 50 हजार छोटे पौधे लगाए जाएंगे। छोटे पेड़ 5 से 6 फीट के रहेंगे, जिनका सर्वाइकल रेट 90 प्रतिशत से ज्यादा है। पौधारोपण के बाद उसके रखरखाव की योजना भी तैयार की गई है। पौधों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिलता रहे इसके लिए रेवती रेंज में तीन प्राकृतिक जल संरचनाएं तैयार की गई है। जिससे इन पौधों को लगातार जल आपूर्ति होती रहेगी। पौधों को पानी की आपूर्ति ड्रिप सिचाई, बोरिंग और ओवरहेड टैंक के जरिए की जाएगी। इस अभियान में नगर निगम के उद्यान विभाग के 500 से ज्यादा कर्मचारी रेवती रेंज में मोर्चा संभाले हुए हैं। सभी 100 सबजोन में नगर निगम की पानी की टीम, स्वच्छता की टीम, उद्यान विभाग की टीम जनभागीदारी के साथ समाज के साथ पौधारोपण में मदद का काम करेंगे। बड़ी संख्या में वाहन आएंगे इसके लिए पार्किंग की भी समुचित व्यवस्था की गई है।

सिंधिया बोले- विजयवर्गीय के लिए पीएम मोदी का काम छोड़कर आया हूं..

एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम में शामिल होने इंदौर पहुंचे केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भाई यानी कैलाश विजयवर्गीय की जमकर सराहना कीü वे बोले- मुझे मंत्री विजयवर्गीय का फोन आता है और वह कहते हैं कि आपको इंदौर में पौधारोपण कार्यक्रम में पेड़ लगाने आना है। इस पर मैंने कैलाश जी से कहा- प्रकृति के लिए किया जाने वाला यह कार्यक्रम भारत माता और स्वयं ईश्वर की सेवा का कार्यक्रम है, इसिलए मैं खुद को भी रोक नहीं पाया। मुझे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आदेश पर नॉर्थ ईस्ट के दौरे पर जाना था, लेकिन मैंने विजयवर्गीय के फोन पर उनका काम टाला और यहां चला आया। वहीं बातों ही बातों में महापौर पुष्यमित्र भार्गव को यह हिदायत भी दे डाली कि आप 51 लाख पौधे लगा तो रहे हो, लेकिन हर पौधे की मॉनिटरिंग होना चाहिए और सभी पौधे पेड़ बनें यह भी सुनिश्चित हो..!

शिवाजी नगर स्थित बाल उद्यान में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर सासंद आलोक शर्मा, पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय मौजूद रहे।

महापौर मालती राय ने बैरागढ़ स्थित साधु वासवानी स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, अशोक मारण एवम गणमान्य नागरिक बंधु उपस्थित रहे।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय बुदनी विधानसभा उपचुनाव के लिए पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह के नेतृत्व में साथबुदनी उपचुनाव की तैयारी के संबंध में संगठनात्मक कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक आयोजित की।

जस्टिस गुरमीत सिंह संधावालिया बने मप्र हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

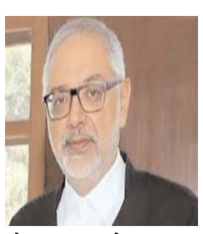

जबलपुर। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह संधावालिया को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है।इस आशय का प्रस्ताव भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम द्वारा पारित कर दिया गया। प्रस्ताव में कहा गया है कि पंजाब और हरियाणा राज्यों के लिए उच्च न्यायालय देश के सबसे बड़े उच्च न्यायालयों में से एक है। इसलिए, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश को मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करना उचित होगा। कॉलेजियम न्यायमूर्ति जी एस संधावालिया को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश करता है। बता दें कि न्यायमूर्ति संधावालिया को 30 सितंबर, 2011 को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। 24 जनवरी, 2014 को वे स्थायी न्यायाधीश बन गए। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में उनके पूर्ववर्ती न्यायमूर्ति शील नागू को 4 जुलाई को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा तब से मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य कर रहे हैं।

पौधारोपण कार्यक्रम में भाजपा नेता-पार्षद में विवाद

भोपाल। बीजेपी मुर्दाबाद कहने पर शुक्रवार सुबह भोपाल के संत हिरदाराम नगर में बीजेपी जिला उपाध्यक्ष राम बंसल और वार्ड-5 से कांग्रेस पार्षद अशोक मारण के बीच विवाद हो गया। दोनों पौधारोपण कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। महापौर मालती राय की मौजूदगी में कुछ देर विवाद हुआ। हालांकि, वरिष्ठ नेताओं की समझाइश के बाद मामला शांत भी हो गया और दोनों नेता एक ही मंच पर मौजूद रहे। शुक्रवार को बैरागढ़ स्थित साधु वासवानी स्कूल में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम हुआ। इसमें महापौर राय, बीजेपी जिला उपाध्यक्ष बंसल, एमआईसी मेंबर राजेश हिंगोरानी, पार्षद अशोक मारन, कुसुम चतुर्वेदी समेत कई नेता मौजूद थे। स्कूल प्रबंधन ने दोनों ही पार्टी के नेताओं को कार्यक्रम में बुलाया था। पौधारोपण कार्यक्रम में उस समय विवाद की स्थिति बनी, जब बीजेपी के प्रसून चतुर्वेदी ने बीजेपी जिंदाबाद कहा। चतुर्वेदी के इतना कहते ही पार्षद मारण ने बीजेपी मुर्दाबाद कह दिया। बसंल ने इसे गलत बताया। उनका कहना था कि पार्षद मारण ने बीजेपी मुर्दाबाद क्यों कहा। वहीं, पार्षद मारण भी सामने आ गए। एमआईसी मेंबर हिंगोरानी ने मामला संभाला और दोनों को समझाया। इसके बाद मामला शांत हो गया। विवाद के बाद दोनों एक मंच पर मौजूद रहे। कुछ देर हुए विवाद के बाद दोनों ही नेता एक ही मंच पर मौजूद रहे। एमआईसी मेंबर हिंगोरानी ने बताया, दोनों ही नेताओं को समझाइश दी गई। इसके बाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। पार्षद मारण से संपर्क नहीं हो पाया।

भोपाल। प्रदेश के मंत्रियों के लिए नए वाहनों का बेड़ा स्टेट गैरेज में पहुंच गया है।

बीएसएफ की लापता लेडी कॉन्स्टेबल पश्चिम बंगाल में मिलीं, पूछताछ में कहा-मर्जी से साथ गई थीं

ग्वालियर। टेकनपुर छावनी से लापता हुई बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) की दो लेडी कॉन्स्टेबल शहाना खातून और आकांक्षा निखर पश्चिम बंगाल में मिल गई हैं। दोनों यहां मुर्शिदाबाद बॉर्डर पर मिली हैं। बीएसएफ के अधिकारी इनसे पूछताछ कर रहे हैं। दोनों अपनी मर्जी से एक साथ जाना बता रही हैं। आखिरी बार दोनों लेडी कॉन्स्टेबल को 6 जून 2024 को देखा गया था। लेडी कॉन्स्टेबल आकांक्षा निखर जबलपुर और शहाना खातून पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद की रहने वाली हैं। बीएसएफ ने बिलौआ थाने में उनकी गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। आकांक्षा की मां ने शहाना पर अपहरण का आरोप लगाया था। जबलपुर में जोगी मोहल्ला की रहने वाली आकांक्षा निखर (30) बीएसएफ के एसटीसी (सहायक ट्रेनिंग सेंटर) में बतौर प्रशिक्षक पदस्थ थी। दिसंबर 2023 में उसकी रूम पार्टनर 15 दिन की छुट्टी पर गई थी। इसी बीच पश्चिम बंगाल से शहाना खातून ने खुद को बीएसएफ टेकनपुर में अटैच कराया था। आकांक्षा का रूम खाली होने पर शहाना को उसके साथ रुकने दिया गया। यहीं से दोनों में दोस्ती हो गई। समय के साथ दोस्ती इतनी गहरी हो गई कि दोनों ने एक-दूसरे को ही अपनी दुनिया मान लिया। टेकनपुर छावनी में दोनों किसी से बात नहीं करती थीं। सभी से दूरियां बना ली थीं। दोनों एक-दूसरे के घर जाकर भी रहीं, लेकिन किसी को भनक नहीं लगने दी कि वे क्या करना चाहती हैं।

एमपी में बारिश का सिस्टम कमजोर, 15-16 जुलाई के बाद भारी बारिश के आसार

भोपाल। मध्यप्रदेश से गुजर रही मानसूनी ट्रफ ऊपर निकल गई है। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर भी कम हुआ है। इस वजह से प्रदेश के कई हिस्सों में तेज बारिश का दौर भी थम गया है। ज्यादातर जिलों में बादल छाए हुए हैं। कुछ जगह मौसम साफ है। डिंडौरी में सुबह साढ़े नौ बजे तेज बारिश शुरू हुई। नमी और लोकल सिस्टम की वजह से शिवपुरी, अशोकनगर, पन्ना, सतना, रीवा, मैहर, सागर, बैतूल में तेज बारिश हो सकती है।

इससे पहले गुरुवार को एमपी के 12 जिलों में बारिश हुई, जबकि पश्चिमी हिस्से में सिर्फ दो जिले बैतूल-गुना में हल्की बारिश हुई। डिंडोरी में सुबह से बादल छाए रहे। साढ़े नौ बजे से झमाझम बारिश हो रही है। 2.89 इंच बारिश हो चुकी है। नदी-नालों का जलस्तर बढ़ रहा है। बस स्टैंड में नालियों से बाहर सड़क में पानी भरा हुआ है। जिले में 1 जून से अब तक 88.55 इंच बारिश हो चुकी है।

सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अभी भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। आने वाले दिनों में भारी बारिश होगी।

भोपाल के मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया, ट्रफ प्रदेश से गुजर रहा था, जो अब काफी ऊपर निकल गया है। वहीं, वर्तमान में स्ट्रॉन्ग सिस्टम नहीं है। पूर्वी हिस्से में थोड़ी तेज बारिश हो सकती है, लेकिन पश्चिमी हिस्से में असर कम रहेगा। कुछ दिन के बाद सिस्टम की फिर से स्ट्रॉन्ग एक्टिविटी देखने को मिल सकती है।

एमपी के पूर्वी हिस्से में बारिश, 12 जिले भीगे: मध्यप्रदेश के पूर्वी हिस्से में गुरुवार को तेज बारिश का दौर जारी रहा। 12 जिलों में पानी गिरा। सबसे ज्यादा दमोह में 56 मिमी यानी, 2.2 इंच पानी गिर गया। खजुराहो, मंडला, नौगांव, सतना, सिवनी में आधा इंच से पौन इंच के करीब पानी गिरा। छिंदवाड़ा, जबलपुर, रीवा, सागर, उमरिया, बालाघाट के मलाजखंड में भी बारिश हुई। प्रदेश के पश्चिमी हिस्से यानी, बैतूल और गुना में भी हल्की बारिश दर्ज की गई।

कई जिलों में तापमान भी बढ़ा: बारिश का दौर थमने के बाद गुरुवार को कई जिलों में दिन का तापमान भी बढ़ गया। निवाड़ी के पृथ्वीपुर और छतरपुर के बिजावर में पारा 36 डिग्री के पार रहा। ग्वालियर में 35.5 डिग्री और खजुराहो में 35.8 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, रतलाम, उमरिया, गुना और सतना में पारा 34 डिग्री से ज्यादा रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 31.5 डिग्री, इंदौर में 32.3 डिग्री, जबलपुर में 32 डिग्री और उज्जैन में पारा 33 डिग्री दर्ज किया गया। पचमढ़ी में सबसे कम 27.2 डिग्री, सिवनी में 27.4 डिग्री और बैतूल में पारा 29.5 डिग्री दर्ज किया गया।

नर्मदापुरम में पटवारी की मौत का मामला गरमाया, 3 दिन सामूहिक अवकाश पर रहेंगे पटवारी

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले के पिपरिया के पटवारी प्रवीण मेहरा की हार्टअटैक से मौत का मामला गरमा रहा है। जिले के सभी पटवारी पिपरिया एसडीएम संतोष तिवारी को तत्काल हटाने के बाद जांच कराने की मांग कर रहे है। 24 घंटे में एसडीएम को हटाने के आदेश नहीं होने के बाद आज शुक्रवार से सभी पटवारी 3 दिन अवकाश पर रहेंगे।

पटवारी संघ ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि पिपरिया एसडीएम संतोष तिवारी ने गलत कार्रवाई कर आपराधिक प्रकरण पटवारी के खिलाफ दर्ज कराया। पटवारी प्रवीण मेहरा मानसिक रूप से परेशान था। इसी वजह से 9 जुलाई को पटवारी की हार्टअटैक से मौत हुई। इससे गुस्साए पटवारी संघ के पदाधिकारी और पटवारियों ने बुधवार शाम 5.30बजे कलेक्ट्रेट परिसर में जमीन पर बैठकर धरना दिया था। कलेक्टर सोनिया मीना को ज्ञापन देकर पिपरिया एसडीएम की शिकायत की। साथ ही 24 घंटे में एसडीएम को हटाने की मांग की थी।

गुरुवार को सभी तहसीलों में पटवारियों ने ज्ञापन सौंपा। जिसमें जिले के सभी पटवारियों के तीन दिन के सामूहिक अवकाश पर जाने का ऐलान किया। आज से सभी पटवारी सामूहिक अवकाश पर चले गए है। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं होती है तो 15 जुलाई से पटवारी अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अंजू नारोलिया ने बताया। एसडीएम तिवारी को पिपरिया से हटाकर जिले से बाहर किया जाए। उनके यहां पदस्थ रहने से जांच प्रभावित होगी। एसडीएम की कार्यप्रणाली से पिपरिया सहित बनखेड़ी तहसील के पटवारी भी पीड़ित हैं। जांच में उनके भी बयान लिए जाएं। ज्ञापन देने वालों में देवेन्द्र जाटव, नितिन शर्मा, दिनेश तिवारी, यशवंत राजपूत, मुकेश गौर, श्वेता गौर, रामभरोस सरयाम, नारायण राजपूत, वर्षित गौर, विजय उपराले, ममता पथोरिया, नवीन चौधरी समेत अन्य पटवारी मौजूद रहे।